राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार ,29 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-248 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत मनपा उधना ज़ोन बना ट्रेनिंग सेंटर भष्टाचार का

भष्टाचार का पी.एच.डी करने के लिये मशहूर एक ज़ोन,नही दो ज़ोन

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ऐसे बंद की व्यंजना

किसान आंदोलन का लगातार बढ़ते चले जाना न तो फायदेमंद है और न अनुकरणीय। दिल्ली से लेकर केरल तक 42 किसान संगठनों के आंदोलन का असर चिंता में डालने के लिए पर्याप्त संकेत मुहैया कराता है। हालांकि, यह सकारात्मक बात है कि भारत बंद शांतिपूर्ण रहा। न किसानों की ओर से उग्रता दिखी और न कहीं प्रशासन ने आपा खोया। ऐसा लगता है, दोनों तरफ से किसान आंदोलन को लंबे समय तक चलाए रखने की तैयारी है और समाधान के लिए संवाद की प्रक्रिया बंद है। दोनों ओर से समय-समय पर ऐसे तीखे प्रहार होते हैं कि संवाद की गुंजाइश बनते-बनते बिगड़ जाती है। इस आंदोलन के चलते न केवल सरकार की आलोचना हो रही है, किसान नेताओं को भी काफी कुछ सुनना पड़ रहा है। मकसद चाहे जो हो, भारत बंद का समर्थन नहीं किया जा सकता। आज देश जिस मोड़ पर है, हम किसी भी तरह की आर्थिक गतिविधि को रोक नहीं सकते। रोकना तो दूर की बात, किसी परिवहन को भी हम कुछ देर के लिए भी बाधित नहीं कर सकते, क्योंकि देश की जो विकास दर है, वह बेरोजगारी को बढ़ाती चली जा रही है। आर्थिक नुकसान का आकलन केवल सरकार को ही नहीं, बल्कि किसानों को भी जरूर करना चाहिए। भारत बंद कोई छोटी बात नहीं, किसान संगठनों ने सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक के लिए भारत बंद बुलाया था, जिसके तहत सभी सरकारी व निजी दफ्तरों, संस्थानों, दुकानों, उद्योगों को बंद रखने की अपील की गई थी। किसान नेता राकेश टिकैत ने भले ही कहा हो कि सभी जरूरी सेवाएं जैसे अस्पताल, मेडिकल स्टोर आदि अपना काम जारी रख सकते हैं, लेकिन सबको पता है, यह एक औपचारिकता ही है। जो लोग परेशान हुए हैं, उनकी क्या गलती है? इसमें कोई शक नहीं कि भारत बंद की वजह से देश में जगह-जगह भयंकर ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई है। सबसे ज्यादा तकलीफ में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र है। हम क्या भूल गए हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में केवल केंद्र सरकार ही नहीं रहती, दो से तीन करोड़ लोग भी रहते हैं? क्या बस सेवा या ट्रेन सेवा का बाधित होना अब हमारे लिए खास महत्व नहीं रखता? भारत बंद को कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बसपा, सपा, वाईएसआर कांग्रेस, वाम दलों सहित कई राजनीतिक दलों ने अपना समर्थन दिया है, तो इस राजनीति के दुष्परिणाम आने वाले वर्षों में जरूर दिखेंगे। भारत बंद मानो एक सिलसिला या बदला है, किसान नेता भी यही बोल रहे हैं कि हमने भाजपा से यह सीखा है। संयुक्त किसान मोर्चा ने बड़ी प्रसन्नता के साथ बताया है कि पंजाब, हरियाणा, केरल, बिहार में पूरी तरह बंद रहा। क्या यह प्रसन्नता शासन-प्रशासन की संवेदना तक पहुंचेगी? क्या आगे किसानों को किसी भारत बंद की जरूरत नहीं पड़ेगी? जो युवा रोजगार के लिए तरस रहे हैं, छह-छह लाख की चप्पलें पहनकर नकल करने को तैयार हो जा रहे हैं, क्या उन्हें भारत बंद से लाभ हुआ होगा? क्या इस भारत बंद की वजह से कुछ नौकरियां कम नहीं हुई होंगी? इस भारत बंद से कितने किसानों को फायदा हुआ होगा? हम न भूलें कि इस देश में ऐसे किसान व नेता भी हैं, जो इस भारत बंद या ऐसी राजनीति के खिलाफ हैं। बहरहाल, जिस देश-समाज में रोष या प्रतिरोष ऐसे बढ़ने लगे, वहां शासन-प्रशासन को मुंह फेरकर कभी नहीं बैठना चाहिए।

'आज के ट्वीट

बेहतर

जिंदगी की राहों में ऐसा अक्सर होता है,
फैसला जो मुश्किल हो वही बेहतर होता है

-- विवेक बिन्द्रा

संयुक्त राष्ट्र को प्रासंगिक बने रहने की नसीहत

- प्रमोद भार्गव

संयुक्त राष्ट्रसंघ महासभा की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर अमेरिका की धरती से स्वयं को चाय बेचने वाला बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'यह भारत के लोकतंत्र की ताकत है कि एक छोटा बच्चा जो कभी रेलवे स्टेशन की चाय-दुकान पर अपने पिता की मदद करता था, वह आज चौथी बार भारत के प्रधानमंत्री की हैसियत से इस वैश्विक महासभा को संबोधित कर रहा है।' मोदी ने चाणक्य के शब्दों को दोहराते हुए संयुक्त राष्ट्र को चेतावनी दी कि, 'सही समय पर जब उचित कार्य नहीं किया जाता तो समय ही उस कार्य की सफलता को असफल कर देता है। गोया, हमें आने वाली पीढ़ियों को उत्तर देना है कि जब फैसले लेने का समय था और जिन पर विश्व को दिशा देने का दायित्व था, वे विकसित देश क्या कर रहे थे ? यदि संयुक्त राष्ट्र को खुद को प्रासंगिक बनाए रखना है तो उसे अपना प्रभाव दिखाना होगा। विश्वसनीयता को बढ़ाना होगा। यूएन पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। अफगानिस्तान पर संकट, दुनिया पर चल रहे छाया युद्ध (प्रॉक्सी वार) और कोरोना वायरस की उत्पत्ति ने इन सवालों को गहरा दिया है।' मोदी ने उन देशों को नाम लिए बिना चेतावनी दी कि जो देश आतंकवाद को बतौर हथियार इस्तेमाल कर रहे हैं, वे यह बात भूल रहे हैं कि आतंकवाद उनके लिए भी खतरा है। साफ है, भारतीय प्रधानमंत्री ने यूएन को उसी के मंच से मुखर होकर जितनी कड़ी नसीहत दी है, उतनी बेबाकी से अन्य कोई राष्ट्र प्रमुख नहीं कर पाया है। नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र की कार्य-संस्कृति पर प्रश्नचिह्न लगाकर नसीहत दी है कि यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में महत्वहीन होती चली जाएगी और फिर इसके सदस्य देशों को इसकी जरूरत ही नहीं रह जाएगी। भारत जैसे देश को संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्यता से बाहर रखते हुए इस संस्था ने जता दिया है कि वहां चंद अलोकतांत्रिक या तानाशाह की भूमिका में आ चुके देशों की ही तूती बोलती है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्य के रूप में भारत 1 जनवरी 2021 से दो साल के लिए चुन लिया गया है। भारत समेत कई देश इसमें सुधारों की मांग कर रहे हैं। परिषद् में स्थाई सदस्यता पाने के लिए भारत के दावे को अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस व रूस समेत कई देश अपना समर्थन दे चुके हैं। लेकिन चीन के वीटो पावर के चलते भारत परिषद् का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। चीन के अलावा वीटो की हैसियत अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस रखते हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र की उम्र 76 वर्ष हो चुकने के बावजूद इसके मानव कल्याण से जुड़े लक्ष्य अधूरे हैं। इसकी निष्पक्षता भी संदिग्ध है। इसीलिए वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापित करने और आतंकी संगठनों पर लगाम लगाने में नाकाम रहा है। अब तो आतंकवादी संगठन तालिबान ने पूरा एक देश अफगानिस्तान ही कब्जा लिया है। अतएव अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को समझने की जरूरत है कि तालिबान को काबू में लेकर उसे सही रास्ते पर लाने में कामयाबी तब मिलेगी, जब पाकिस्तान को नियंत्रित किया जाएगा। क्योंकि वह पाकिस्तान ही है, जिसकी बाहरी और भीतरी मदद से तालिबान अफगानिस्तान पर आधिपत्य कर पाया। यदि समय रहते पाकिस्तान की हरकतों पर लगाम लगाई गई होती तो अमेरिका और तालिबान के बीच दोहा की राजधानी कतर में हुई संधि की भी धज्जियां नहीं उड़ी होतीं। इसी तरह चीन की अनैतिक विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं पर भी अंकुश नहीं लग पा रहा है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शांतिप्रिय देशों के संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् का गठन हुआ था। इसका अहम मकसद भविष्य की पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका और आतंकवाद से सुरक्षित रखना था। इसके सदस्य देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन को स्थायी सदस्यता प्राप्त है। याद रहे चीन जवाहरलाल नेहरू की अनुकंपा से ही सुरक्षा परिषद् का सदस्य बना था। जबकि उस समय अमेरिका ने सुझाया था कि चीन को संयुक्त राष्ट्र में लिया जाए और भारत को सुरक्षा परिषद् की सदस्यता दी जाए। लेकिन अपने उद्देश्य में परिषद् को पूर्णतः सफलता नहीं मिली। भारत का दो बार पाकिस्तान और एक बार चीन से युद्ध हो चुका है। इराक और अफगानिस्तान, अमेरिका और रूस के जबरन दखल के चलते युद्ध की ऐसी विभीषिका के शिकार हुए कि आजतक उबर नहीं पाए हैं। तालिबान की आमद के बाद अफगानिस्तान में किस बेरहमी से विरोधियों और स्त्रियों को दंडित किया जा रहा है, यह किसी से छिपा नहीं रह गया है। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच युद्ध एक नहीं टूटने वाली कड़ी बन गया है। अनेक इस्लामिक देश गृह-कलह से जूझ रहे हैं। उत्तर कोरिया और पाकिस्तान बेखौफ परमाणु युद्ध की धमकियां देते रहते हैं। दुनिया में फैल चुके इस्लामिक आतंकवाद पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। साम्राज्यवादी नीतियों के क्रियान्वयन में लगा चीन किसी वैश्विक पंचायत के आदेश को नहीं मानता। इसका उदाहरण अजहर जैसे आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित करने पर चीन का बार-बार वीटो का इस्तेमाल करना है। जबकि भारत विश्व में शांति स्थापित करने के अभियानों में मुख्य भूमिका निर्वाह करता रहा है। बावजूद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी एवं सामुदायिक बहुलता वाला देश सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य नहीं है। भारत में दुनिया की 18 फीसदी आबादी रहती है। दुनिया का हर छठा व्यक्ति भारतीय है। साफ है, संयुक्त राष्ट्र की कार्य-संस्कृति निष्पक्ष नहीं है। कोरोना महामारी के दौर में विश्व स्वास्थ्य संगठन की मनवतावादी केंद्रीय भूमिका दिखनी चाहिए थी, लेकिन वह महामारी फैलाने वाले दोषी देश चीन के समर्थन में खड़ा नजर आया। अलबत्ता सुरक्षा परिषद् की भूमिका वैश्विक संगठन होने की दृष्टि से इसलिए महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि उसके अजेंडे में प्रतिबंध लागू करने और संघर्ष की स्थिति में सैनिक कार्रवाई की अनुमति देने के अधिकार शामिल हैं। इस नाते उसकी मूल कार्यपद्धति में शक्ति-संतुलन बनाए रखने की भावना अंतर्निहित है। लेकिन वह इन प्रतिबद्धताओं को नजरअंदाज कर रहा है, गोया संस्था के प्रति विश्वास का संकट गहराया हुआ है। नतीजतन इसमें सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है। 1945 में परिषद् के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक दुनिया बड़े परिवर्तनों की वाहक बन चुकी है। इसीलिए भारत लंबे समय से परिषद् के पुनर्गठन का प्रश्न परिषद् की बैठकों में उठाता रहा है। कालांतर में इसका प्रभाव यह पड़ा कि संयुक्त राष्ट्र के अन्य सदस्य देश भी इस प्रश्न की कड़ी के साझेदार बनते चले गए। परिषद् के स्थायी व वीटोधारी देशों में अमेरिका, रूस और ब्रिटेन भी अपना मौखिक समर्थन इस प्रश्न के पक्ष में देते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से दो तिहाई से भी अधिक देशों ने सुधार और विस्तार के लिखित प्रस्ताव को मंजूरी 2015 में दे दी है। इस मंजूरी के चलते अब यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे का अहम मुद्दा बन गया है। नतीजतन अब यह मसला एक तो परिषद् में सुधार की मांग करने वाले भारत जैसे चंद देशों का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि महासभा के सदस्य देशों की सामूहिक कार्यसूची का प्रश्न बन गया है। अमेरिका ने शायद इसी पुनर्गठन के मुद्दे का ध्यान रखते हुए सुरक्षा परिषद् में नई पहल करने के संकेत दिए हैं। यदि पुनर्गठन होता है तो सुरक्षा परिषद् के प्रतिनिधित्व को समतामूलक बनाए जाने की उम्मीद बढ़ जाएगी। इस मकसद पूर्ति के लिए परिषद् के सदस्य देशों में से नए स्थायी सदस्य देशों की संख्या बढ़ानी होगी। यह संख्या बढ़ती है तो परिषद् की असमानता दूर होने के साथ इसकी कार्य-संस्कृति में लोकतांत्रिक संभावनाएं स्वतः बढ़ जाएंगी। परिषद् की महासभा में इन प्रस्तावों का शामिल होना, बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि तो थी, लेकिन परिणाम भारत और इसमें बदलाव की अपेक्षा रखने वाले देशों के पक्ष में आएगें ही, इसमें संदेह है। असमानता दूर करने के लिए उचित प्रतिनिधित्व हेतु सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने से जुड़े मामलों पर लंबी चर्चा होगी। इस सभा में बहुमत से पारित होने वाली सहमतियों के आधार पर 'अंतिम अभिलेख' की रूपरेखा तैयार होगी। किंतु यह जरूरी नहीं कि यह अभिलेख किसी देश की इच्छाओं के अनुरूप ही हो ? क्योंकि इसमें बहुमत से लाए गए प्रस्तावों को खारिज करने का अधिकार पी-5 देशों को है। ये देश किसी प्रस्ताव को खारिज कर देते हैं तो यथास्थिति और टकराव बरकरार रहेंगे। साथ ही यदि किसी नए देश को सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता मिल भी जाती है तो यह प्रश्न भी कायम रहेगा कि उन्हें वीटो की शक्ति दी जाती है अथवा नहीं ? हालांकि भारत कई दृष्टियों से न केवल सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता की हैसियत रखता है,बल्कि वीटो-शक्ति हासिल कर लेने की पात्रता भी उसमें है।

विशुद्ध ऊर्जा

जग्गी वासुदेव

आपको यह समझना होगा कि ऊर्जा सिर्फ ऊर्जा होती है, वह न तो दैवी होती है, न शैतानी। आप उससे कुछ भी बना सकते हैं देवता या शैतान। यह बिजली की तरह होती है। क्या बिजली दैवी या शैतानी, अच्छी या बुरी होती है? जब वह आपके घर को रोशन करती है, तो वह दिव्य होती है। अगर वह एक इलेक्ट्रिक चेयर बन जाती है, तो वह शैतानी होती है। यह बस इस बात पर निर्भर करता है कि उस पल उसे कौन संचालित कर रहा है। असल में, पांच हजार साल पहले, अर्जुन ने भी कृष्ण से यही सवाल पूछा था 'आपका यह कहना है कि हर चीज एक ही ऊर्जा से बनी है और हरेक चीज दैवी है, अगर वही देवत्व दुर्योधन में भी है, तो वह ऐसे काम क्यों कर रहा है?' कृष्ण हंसे क्योंकि इतना उपदेश देने के बाद भी अर्जुन इस साधारण, बुनियादी और बचकाने सवाल पर अटका था। कृष्ण ने जवाब दिया,'ईश्वर निर्गुण है, दिव्यता निर्गुण है। उसका अपना कोई गुण नहीं है।' इसका अर्थ है कि वह बस विशुद्ध ऊर्जा है। आप उससे कुछ भी बना सकते हैं। जो बाघ आपको खाने आता है, उसमें भी वही ऊर्जा है और कोई देवता, जो आकर आपको बचा सकता है, उसमें भी वही ऊर्जा है। बस वे अलग-अलग तरीकों से काम कर रहे हैं। जब आप अपनी कार चलाते हैं, तो क्या वह अच्छी या बुरी होती है? वह आपका जीवन बना सकती है या किसी भी पल आपका जीवन समाप्त कर सकती है, है न? तो, क्या लोग काला जादू कर सकते हैं? बिल्कुल कर सकते हैं। अगर ऊर्जा का सकारात्मक इस्तेमाल है, तो नकारात्मक इस्तेमाल भी है। एक वेद, अथर्ववेद सिर्फ सकारात्मक और नकारात्मक चीजों के लिए ऊर्जा के इस्तेमाल को ही समर्पित है। मगर मैंने यह देखा है कि अक्सर ये चीजें मनोवैज्ञानिक या जहनी होती हैं। यह थोड़ी-बहुत मात्रा में हो सकती है, मगर बाकी यह होता है कि आपका अपना दिमाग आपको पागल बना रहा होता है। अगर मुझे आपको पागल करना है, तो मुझे आप पर कोई असली काला जादू करने की जरूरत नहीं है। कल सुबह जब आप अपने घर से निकलें और मान लीजिए, वहां एक खोपड़ी और थोड़ा खून पड़ा हो। तो उसे देखने के बाद ही आप बीमार हो जाएंगे, आपका कारोबार ठप होने लगेगा, सब कुछ नकारात्मक होने लगेगा क्योंकि एक तरह का भय आपको जकड़ लेता है।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि देना ही श्राद्ध है

- रमेश सर्राफ धमोरा

हिन्दू धर्म में माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा माना गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में पितरों का उद्धार करने के लिए पुत्र की अनिवार्यता मानी गई हैं। जन्मदाता माता-पिता को मृत्यु-उपरान्त लोग विस्मृत न कर दें इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्राद्ध हिन्दू धर्म में किया जाने वाला एक कर्म है जो पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनके गुण हमें विरासत में मिले हैं उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं, जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोड़कर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है, जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है, उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत जारी है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्रीराम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिनभर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। अपने पूर्वजों के निमित्त दी गई वस्तुएं सचमुच उन्हें प्राप्त होती हैं या नहीं, इस विषय में कुछ लोगों को संदेह है। हमारे पूर्वज अपने कर्मानुसार किस योनि में उत्पन्न हुए हैं। जब हमें इतना

ही नहीं मालूम तो फिर उनके लिए दिए गए पदार्थ उन तक कैसे पहुंच सकते हैं ? क्या एक ब्राह्मण को भोजन कराने से हमारे पूर्वजों का पेट भर सकता है ? न जाने इस तरह के कितने ही सवाल लोगों के मन में उठते होंगे। वैसे इन प्रश्नों का सीधे-सीधे उत्तर देना सम्भव भी नहीं है। क्योंकि वैज्ञानिक मापदण्डों को इस सृष्टि की प्रत्येक विषयवस्तु पर लागू नहीं किया जा सकता। दुनिया में ऐसी कई बातें हैं। जिनका कोई प्रमाण न मिलते हुए भी उन पर विश्वास करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। गया जी को विश्व में पितरों की मुक्ति के लिए सर्वश्रेष्ठ तीर्थस्थल माना गया है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

केंद्र सरकार अगले महीने एयर इंडिया के लिए करेगी विजयी बोली की घोषणा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय वाहक के लिए बोली जीतने की घोषणा के साथ अगले महीने के मध्य तक एयर इंडिया के विनिवेश को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों ने संकेत दिया कि एयर इंडिया के लिए विजयी बोली की घोषणा के लिए संभावित रूप से 15 अक्टूबर की तारीख रखी गई है, जबकि वाहक के लिए प्राप्त वित्तीय बोलियां इस सप्ताह कभी भी खोली जा सकती हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि जबकि टाटा एयर इंडिया पर पकड़ बनाने के लिए सबसे आगे है, सभी बोलियों का मूल्यांकन विभिन्न मापदंडों पर किया जाएगा और विजेता बोली लगाने वाले की घोषणा गृह मंत्री की अध्यक्षता वाले मंत्रियों के समूह (जीओएम) की मंजूरी के बाद की जाएगी। ट्विटर पर दीपम के सचिव तुहिन कांता पांडे ने पहले कहा था कि विनिवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में पोस्ट किया था, लेन-देन सलाहकार द्वारा प्राप्त एयर इंडिया के विनिवेश के लिए वित्तीय बोलियां। प्रक्रिया अब अंतिम चरण में चली गई है। टाटा की बोली बहुप्रतीक्षित थी क्योंकि उसका नाम पिछले कुछ समय से चर्चा में था। सरकार ने देर से राष्ट्रीय वाहक के निजीकरण को तेजी से ट्रैक करने के लिए कई कदम उठाए हैं। हाल ही में, सरकार ने राष्ट्रीय वाहक से एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग लिमिटेड, एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को संपत्ति के हस्तांतरण पर करों को माफ करने का फैसला किया। वित्त वर्ष 2022 के बजट भाषण के दौरान, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सभी प्रस्तावित निजीकरण की प्रक्रिया वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरी हो जाएगी, जिसमें एयर इंडिया के बहुत देरी से चलने वाली रणनीतिक विनिवेश भी शामिल है। इससे पहले, टाटा सहित कुछ इच्छुक पार्टियों को बोली दौर के लिए चुना गया था। एयरलाइन में अपनी हिस्सेदारी बेचने का मौजूदा केंद्र सरकार का यह दूसरा प्रयास है। पूर्व-महामारी युग में एयरलाइन, स्टैंडअलोन के आधार पर, 50 से अधिक घरेलू और 40 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों का संचालन करती थी। इसके अलावा, इसने कोविड महामारी से पहले 120 से अधिक विमानों का संचालन किया। उस अवधि के दौरान, एयरलाइन में 9,000 से अधिक स्थायी और 4,000 संविदा कर्मचारी थे।

शराब बनाने की यूनिट लगाने पर विचार कर रही योगी सरकार

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में शराब बनाने को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार शराब इंडस्ट्री लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। शराब बनाने के नासिक मॉडल से प्रेरणा लेते हुए, आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में शराब इंडस्ट्री लगाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शराब निर्माता संघ से मुलाकात की। महाराष्ट्र में नासिक भारतीय शराब उत्पादन के केंद्र के रूप में उभरा है।

शराब निर्माण की नीति रखने वाले राज्य के पास अब तक एक भी यूनिट नहीं है। प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव, (आबकारी) संजय भूसरेड्डी के अनुसार, यूपी में आम, जामुन, कटहल, अमरूद, अंगूर, लीची, आंवला और पपीता जैसे कई फल उगाए जाते हैं और उत्पादित बड़ी मात्रा में पूरी तरह से उपयोग भी नहीं किया जाता है। बहुत कुछ फलों के उचित भंडारण की सुविधा के अभाव में उपज बर्बाद हो जाती है। भूसरेड्डी ने कहा कि, अगर यहां वाइनरी स्थापित की जाती हैं, तो इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा, किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिलेगा और राज्य को शराब की बिक्री से राजस्व अर्जित होगा। सभी फलों का भी उपयोग किया जाएगा। आबकारी आयुक्त सेंथिल पांडियन सी. ने कहा, एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत आबकारी विभाग उन जिलों की पहचान करेगा, जहां फलों की खेती अधिक है और उपज का पूरी तरह से उपयोग नहीं किया जाता है ताकि ऐसे क्षेत्रों में वाइनरी स्थापित की जा सके। ऑल इंडिया वाइन प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश होल्कर ने यूपी सरकार को आश्वासन दिया है कि वह राज्य में वाइनरी स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहनों के बारे में संभावित निवेशकों को अवगत कराएंगे।

गूगल मीट में लाइव अनुवादित कैप्शन फीचर जल्द ही

सैन फ्रांसिस्को।

गूगल मीट ने लाइव अनुवादित कैप्शन का परीक्षण शुरू कर दिया है, जो विदेशी ग्राहकों, भागीदारों, छात्रों और कर्मचारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को और अधिक सुचारू रूप से चलाने में मदद करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेक दिग्गज ने लाइव अनुवादित कैप्शन का परीक्षण शुरू किया है, जो मीट के मानक लाइव कैप्शन से एक कदम ऊपर है। यह शुरूआत में अंग्रेजी में आयोजित मीटिंग्स को सपोर्ट करेगा, जिसका अनुवाद स्पेनिश, फ्रेंच, पुर्तगाली और जर्मन में किया जाएगा। इसके अलावा, यह फीचर केवल गूगल वर्कस्पेस बिजनेस प्लस, एंटरप्राइज स्टैंडर्ड, एंटरप्राइज प्लस, एजुकेशन प्लस और टीचिंग एंड लर्निंग अपग्रेड यूजर्स द्वारा आयोजित मीटिंग्स के लिए उपलब्ध है। गूगल ने अपनी घोषणा में कहा, गूगल मीट वीडियो कॉल अधिक वैश्विक, समावेशी और प्रभावी बनाने में मदद करता है। यूजर्स को पसंदीदा भाषा में सामग्री का उपभोग करने में मदद करता है। और आप जानकारी साझा करने, सीखने और सहयोग करने में मदद कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इच्छुक प्रशासकों को अपनी बैठकों में फीचर के आने से पहले एक्सेस के लिए आवेदन करना होगा। इस फीचर से जुड़ने के लिए यूजर्स को सेटिंग्स में कैप्शन पर स्विच करना होगा। और नीचे अनुवादित कैप्शन पर टॉगल करने से पहले इसे अंग्रेजी में सेट करना होगा। फिर वे अनुवादित भाषा विकल्पों में से किसी एक को चुन सकते हैं।

बुधवार से तीन दिवसीय हड़ताल पर सीएसबी बैंक के कर्मचारी

चेन्नई।

अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) के एक शीर्ष नेता ने कहा कि वेतन संशोधन और मजदूर विरोधी नीति को रोकने की मांग को लेकर केरल स्थित सीएसबी बैंक के कर्मचारी बुधवार से तीन दिवसीय हड़ताल करेंगे। सीएसबी बैंक ने अपनी यूनियनों से कहा था कि वह इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनियनों के बीच संपन्न वेतन समझौते को लागू करेगा। लेकिन उन्होंने आईबीए को अपनी ओर से यूनियनों के साथ बातचीत करने के लिए अपनी सहमति नहीं दी। सी.एच. एआईबीईए के महासचिव वेंकटचलम ने आईएएनएस को बताया, वेतन संशोधन समझौते पर कुछ समय पहले हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन सीएसबी बैंक में इसे लागू नहीं किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि यदि सीएसबी बैंक प्रबंधन बैंक में वेतन समझौते को लागू नहीं करता है, तो एआईबीईए को इस मुद्दे को इंडस्ट्री के आधार पर उठाना होगा। बता दें कि सीएसबी बैंक की 400 से अधिक

शाखाएं और 15 लाख से अधिक ग्राहक हैं।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर मार्केट; रियल्टी, आईटी शेयरों में गिरावट

मुंबई।

शेयर मार्केट में गिरावट के बीच भारत के प्रमुख इक्विटी सूचकांकों ने मंगलवार के कारोबारी सत्र में मुनाफावसूली और मिश्रित वैश्विक संकेतों से निवेशकों को झटका लगा। इसके अलावा, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और यूएस फेड के कमजोर पड़ने की आशंका ने मार्केट को नीचे धकेल दिया। कारोबार के दौरान बिजली, तेल और गैस और धातु स्टॉक में सबसे अधिक तेजी आई, जबकि रियल्टी, आईटी और दूरसंचार के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई।नई एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 59,667.60 अंक पर बंद हुआ, जो अपने पिछले बंद से 410.28 अंक या 0.68 प्रतिशत कम है। इसी तरह, एनएसई निफ्टी 50 में गिरावट दर्ज की गई। यह अपने पिछले बंद से 106.50 अंक या 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,748.60 अंक पर आ गया है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिटेल रिसर्च के प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, पहले के शेयरों में अमेरिका में पैदावार बढ़ने, चीन में बिजली की कमी और वैश्विक आपूर्ति चेन पर इसके प्रभाव और

दुनिया भर में बढ़ती मुद्रास्फीति सहित नकारात्मक के संयोजन के कारण बिकवाली का दबाव था।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अक्टूबर से वाहनों की कीमतें में करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल निर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने मंगलवार को घोषणा की है कि वह 1 अक्टूबर से आपने वाहनों की कीमतें में वृद्धि करेगी। ऑटो निर्माता के अनुसार, इनपुट लागत में वृद्धि के चलते बढ़ोतरी की आवश्यकता है। ग्राहकों पर प्रभाव को देखते हुए समग्र मूल्य वृद्धि को कम किया है। ऑटो निर्माता के अनुसार, एक ग्राहक-केंद्रित कंपनी के रूप में, हम बढ़ती लागत के प्रभाव को कम कर के अपने ग्राहकों की जरूरतों और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सामग्री की लागत में वृद्धि ने ऑटो निमार्ताओं को भारी रूप से प्रभावित किया है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर कमर्शियल व्हीकल्स के लिए 15 पैसे तक बढ़ा टोल टैक्स

नई दिल्ली: यमुना एक्सप्रेसवे पर व्यावसायिक वाहनों के लिए टोल दर में इजाफा किया गया है। नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। व्यावसायिक वाहनों के लिए प्रति किलोमीटर पांच पैसे से लेकर 15 पैसे तक की बढ़ोतरी की गई है। इस हिसाब से अब 10 किलोमीटर के लिए डेढ़ रुपए अधिक देने होंगे। हल्के व्यावसायिक वाहन, हल्के मालवाहक व मिनी बस के लिए टोल दर 3.85 रुपए से बढ़ाकर 3.90 रुपए प्रति किलोमीटर कर दी गई है। यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि बस और ट्रक के लिए दर 7.85 रुपये से बढ़ाकर 7.90 रुपये प्रति किलोमीटर की गई है। भारी निर्माण कार्य मशीनों के लिए दर 11.90 रुपये से बढ़कर 12.05 रुपये प्रति किलोमीटर हो गई है। वहीं विशाल आकार वाले वाहनों को 15.40 रुपये की जगह 15.55 रुपये प्रति किलोमीटर टोल देना होगा।

फास्टैग से पेमेंट और नकद पेमेंट, दोनों की सुविधा

उन्होंने बताया कि एक्सप्रेसवे की संचालक कंपनी जेपी इंफ्राटेक को पहले ही निर्देश दिए गए थे कि टोल प्लाजा पर वाहन चालकों को फास्टैग की सुविधा दी जाए। एक्सप्रेसवे के तीनों टोल प्लाजा, जेवर, मथुरा व आगरा में फास्टैग के लिए जरूरी तकनीकी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। सिंह ने कहा कि वाहन चालक फास्टैग से टोल टैक्स का भुगतान कर जल्दी निकल सकेंगे। इससे यात्रा के समय में बचत के साथ टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिलेगी। हालांकि जो वाहन चालक नकद टोल टैक्स का भुगतान करना चाहेंगे, उनके लिए भी टोल पर बूथ निर्धारित होंगे।

फिटबिट चार्ज 5 भारत में 14999 रुपये में उपलब्ध

नई दिल्ली। गूगल के स्वामित्व वाली फिटबिट ने मंगलवार को घोषणा की कि उसका फिटनेस ट्रैकर फिटबिट चार्ज 5 अब भारत में 14,999 रुपये में उपलब्ध है। फिटबिट चार्ज 5 आधिकारिक वेबसाइट फिटबिट डॉट कॉम/इन पर उपलब्ध है। कंपनी ने एक बयान में कहा, फिटबिट ने फिटबिट प्रीमियम यूजर्स के लिए कुछ रोमांचक अपडेट भी किए हैं और बेहतर स्मार्टवॉच अनुभव के लिए एक नई सुविधा शुरू की है। कंपनी ने कहा, नींद, ध्यान और विश्राम के लिए हैशटैग1 ऐप, के साथ हमारी सामग्री साझेदारी अब फिटबिट प्रीमियम सदस्यों के लिए इन-ऐप उपलब्ध है, जो यूजर्स को नींद के 30 क्यूरेटेड पीस और तनाव-कम करने वाली काल्म कंटेंट तक पहुंच प्रदान करती है। कंपनी ने यह भी उल्लेख किया कि फिटबिट सेंस उपयोगकर्ता एक निर्देशित सत्र के माध्यम से उनके हृदय गति और ईडीए प्रतिक्रियाओं पर एक शांत सत्र के प्रभाव को भी देख पाएंगे। स्नोर और नॉइज डिटेक्ट अब सेंस और वर्सा 3 यूजर्स के लिए उपलब्ध है। कंपनी के अनुसार, यूजर्स को उनके सोने के वातावरण को बेहतर ढंग से समझने में मदद करने के लिए, उनके सेंस या वर्सा 3 नमूनों पर माइक्रोफोन हर कुछ सेकंड में खराटें और परिवेश के शोर के स्तर की निगरानी के लिए साउंड करता है। अनुभव एक ध्वनि विश्लेषण प्रदान करता है, ताकि उपयोगकर्ता या यूजर यह खोज सकें कि उनकी नींद में खलल क्यों पड़ सकती है और उन्हें अनिद्रा या बेचैनी हो सकती है। कंपनी के अनुसार, बाध्यकारी प्रतिबद्धताओं की एक श्रृंखला के अनुसार, हम गूगल विज्ञापनों के लिए इस सुविधा या अन्य अनुभवों से फिटबिट यूजर्स के स्वास्थ्य और कल्याण डेटा का उपयोग नहीं करेंगे और यह डेटा अन्य गूगल विज्ञापन डेटा से अलग किया जाएगा। फिटबिट चार्ज 5 के साथ, उपयोगकर्ता रन राइड और इससे अधिक के लिए लक्ष्य भी निर्धारित कर सकते हैं और फिर रीयल-टाइम आंकड़े प्राप्त कर सकते हैं।

एलपीजी सिलेंडर पर आपको फिर मिल सकती है सब्सिडी! सरकार ने तैयार किया प्लान

बिजनेस डेस्क:

एलपीजी सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी को लेकर बड़ी खबर आई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय उस सीमा का मूल्यांकन कर रहा है जिस पर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस पर सब्सिडी बहाल की जाएगी। एक सर्वे किया जा रहा है कि किस कीमत पर ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ता गैस सिलेंडर खरीदेंगे। बिजनस स्टैंडर्ड ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया कि मामले में कई तरह के विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। इनमें से एक विकल्प ये है कि सरकार सिर्फ आर्थिक रूप से कमजोर उपभोक्ताओं को ही उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी प्रदान कर सकती है।

सब्सिडी के रूप में उपभोक्ताओं को बांटे 3,559 करोड़ रुपए

उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2020-21 में सरकार ने सब्सिडी के रूप में उपभोक्ताओं को 3,559 करोड़ रुपये दिए थे। वहीं इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-2020 में यह आंकड़ा 24,468 करोड़ रुपए था। इस तरह एक साल में सरकार ने सब्सिडी में लगभग छह गुना कटौती की है। मौजूदा समय में अगर उपभोक्ताओं की सालाना आय 10 लाख रुपए है, तो आपको सिलेंडर पर सब्सिडी का लाभ नहीं मिलता है।

मौजूदा समय में इतनी है सब्सिडी

मौजूदा समय में दिल्ली में घरेलू सिलेंडर पर सब्सिडी शून्य है लेकिन केंद्र सरकार कुछ राज्यों में फ्रेट कॉस्ट्स के रूप में ग्राहकों को सब्सिडी प्रदान करती है। सब्सिडी की मात्रा अलग-अलग है, लेकिन यह मोटे तौर पर 30 रुपए से भी कम है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सब्सिडी को लेकर किए जा रहे सर्वे से पता लगाया जाएगा कि उपभोक्ता किस रेट पर सिलेंडर खरीद सकते हैं।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने लांच की सेहत से जुड़ी एक पहल

नई दिल्ली: साधारण बीमा कंपनी एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने एक विशेष स्वास्थ्य कार्यक्रम '7 मिनट्स टू गुड हेल्थ' लॉन्च किया है। कंपनी ने आज बयान में कहा कि इस आसान और असरदार गाइडेड प्रोग्राम के माध्यम से, कंपनी बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य के प्रति अपनी जिम्मेदारी दोहराती है। कंपनी के लिए स्वास्थ्य हमेशा से प्राथमिकता रही है। इस पहल के साथ एसबीआई जनरल लोगों को प्रतिदिन 7 मिनट सही तरीके से सांस लेने की तकनीक का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करता है। जिससे उन्हें अपने शरीर और दिमाग में बदलाव लाने में मदद मिलेगी। इस पहल के साथ, एसबीआई जनरल ने विद्या मालवडे के साथ अपने नए ब्रांड सहयोग की घोषणा की है। विद्या एक अभिनेत्री होने के साथ-साथ योग प्रेमी भी हैं। विद्या मालवडे गाइडेड वीडियो और सोशल मीडिया मंच पर कई लाइव सत्रों में सही तरीके से सांस लेने की तकनीक के बारे में बताएंगी। कंपनी ने इस गाइडेड स्वास्थ्य कार्यक्रम को सुचारू रूप से शुरू करने के लिये योग इंस्टीट्यूट के साथ साझीदारी की है, जो दुनिया में योग का सबसे पुराना केंद्र है।

सोनी स्मार्टफोन इमेज सेंसर मार्केट में

टोक्यो।

एच1 कैटगरी में वैश्विक स्मार्टफोन इमेज सेंसर बाजार ने कुल 7 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया और सोनी 42 फीसदी राजस्व हिस्सेदारी के साथ बाजार पर हावी रहा है, जो एक साल पहले के 44 फीसदी से थोड़ा कम है। स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स हैंडसेट कंपोनेंट टेक्नोलॉजीज सर्विस रिपोर्ट के अनुसार, स्मार्टफोन इमेज सेंसर मार्केट एच1 2021 में साल-दर-साल 10 प्रतिशत से अधिक की राजस्व वृद्धि दर्ज करने में कामयाब रहा है।वरिष्ठ विश्लेषक जेफरी मैथ्यूज ने एक बयान में कहा,इमेज सेंसर विक्रेताओं ने स्मार्टफोन ओईएम से एक त्वरित गति देखी, जिन्होंने सक्रिय रूप से मल्टीकैमरा अनुप्रयोगों के लिए उच्च-रिजॉल्यूशन सीआईएस और कम-पिक्सेल सीआईएस उत्पादों को अपनाया, ताकि इन्वेंट्री को सुरक्षित किया जा सके और मांग को पूरा किया जा सके। सोनी, सैमसंग और ओमनीविजन ने प्रमुख उच्च एच1 2021 में अग्रणी स्मार्टफोन ओईएम के लिए संकल्प सीआईएस उत्पाद है।सोनी सेमीकंडक्टर ने 42 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी के साथ स्मार्टफोन इमेज सेंसर बाजार में शीर्ष स्थान हासिल किया, इसके बाद एच1 2021 में सैमसंग सिस्टम एलएसआई और ओमनीविजन टेक्नोलॉजीज का स्थान रहा। रिपोर्ट का अनुमान है कि शीर्ष तीन विक्रेताओं ने एच1 2021 में वैश्विक स्मार्टफोन इमेज सेंसर बाजार में लगभग 80 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी ली। इमेज सेंसर बाजार का आकार 2020 में अनुमानित 18.5 बिलियन डॉलर से 2025 तक 28.0 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

केरल की 49 आईटी कंपनियां दुबई जीआईटीएक्स ग्लोबल में लेंगी हिस्सा

कोच्चि। केरल की 49 आईटी कंपनियां और स्टार्टअप अगले महीने दुबई में होने वाले वार्षिक प्रौद्योगिकी कार्यक्रम जीआईटीएक्स ग्लोबल में हिस्सा लेंगी। इसके अलावा केरल स्टार्टअप मिशन के 19 स्टार्टअप भी इस आयोजन में हिस्सा लेंगे। अधिकांश आईटी कंपनियां तिरुवनंतपुरम के टेक्नोपार्क से हैं, जबकि बाकी कोच्चि और कोझीकोड के आईटी पार्कों से हैं। केरल आईटी पार्क के सीईओ जॉन एम थॉमस ने कहा कि राज्य वैश्विक बाजार के अवसरों का पता लगाने के लिए प्रवासी उद्योगपतियों और उद्यमियों के लिए एक विशेष व्यापार-से-व्यापार बैठक आयोजित करेगा। मध्य पूर्व क्षेत्र भी केरल की आईटी कंपनियों के लिए एक प्रमुख बाजार है। जीआईटीएक्स एक प्रमुख प्रौद्योगिकी कार्यक्रम है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड, बिग डेटा, साइबर सुरक्षा, ब्लॉक चेन, क्वांटम कंप्यूटिंग आदि में लेटेस्ट तकनीकों और नवीन विचारों को प्रदर्शित करता है, जो 17 से 21 अक्टूबर तक दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

टाटा मोटर्स ने पुणे के संयंत्र से अल्ट्रोज की 1,00,000वीं इकाई पेश की

मुंबई: टाटा मोटर्स ने मंगलवार को पुणे में कंपनी के विनिर्माण संयंत्र से अपनी हैचबैक अल्ट्रोज की 1,00,000वीं इकाई पेश की। यात्री वाहन निर्माता कंपनी ने नवंबर 2019 के अंत में अल्ट्रोज का उत्पादन शुरू किया था और जनवरी 2020 में इसे बाजार में पेश किया था। टाटा मोटर्स ने एक विज्ञप्ति में कहा कि अल्फा (एजाइल लाइट फ्लेक्सिबल एडवांस्ड) आर्किटेक्चर पर निर्मित पहले वाहन मॉडल अल्ट्रोज ने चालू वित्त वर्ष में प्रीमियम हैचबैक श्रेणी में शीर्ष से दूसरा स्थान हासिल किया है। अल्ट्रोज ने 6,000 इकाइयों की औसत मासिक बिक्री के साथ 20 प्रतिशत से ज्यादा बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। इसके अलावा, कार ने इस साल मार्च में अपनी अधिकतम 7,550 इकाइयों की बिक्री की। टाटा मोटर्स की यात्री वाहन कारोबार इकाई के उपाध्यक्ष (बिक्री, विपणन और ग्राहक सेवा) राजन अंबा ने कहा, 'हमने इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान 1,00,000वीं इकाई पेश करने के साथ एक अहम मुकाम हासिल किया है और अपने ग्राहकों एवं भागीदारों के निरंतर समर्थन और वफादारी के लिए उनके आभारी हैं।'

मंत्रालय 2024, 2028 ओलंपिक में सफलता के लिए खेल विज्ञान, प्रदर्शन प्रबंधन पर देगा ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के टोक्यो 2020 ओलंपिक और पैरालिंपिक में अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ, खेल मंत्रालय ने 2024 और 2028 के ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की योजना बनाना शुरू कर दिया है और खेल विज्ञान व प्रदर्शन प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने कार्यबल का पुनर्गठन किया है।

मंत्रालय ने ओलंपिक और पैरालंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बारी-बारी से पदोन्नति भी दी। इनमें हॉकी खिलाड़ी सविता पुनिया और रानी रामपाल और पैरा-एथलीट, हाई जंपर्स मरियप्पन थंगावेलु और शरद कुमार शामिल हैं। मंत्रालय ने सीएसआर पहलों और प्रत्यक्ष वित्त पोषण के माध्यम से एथलीटों के लिए मौजूदा सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कॉर्पोरेट भारत के साथ साझेदारी में शामिल होने की योजना को भी मंजूरी दी।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी एफ इंडिया (साई) कार्यबल और लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना सचिवालय के पुनर्गठन का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रदान की जाने वाली मौजूदा सहायता प्रणाली को मजबूत करना है, ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, विशेष रूप से ओलंपिक और पैरालिंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने साई शासी निकाय की 55वीं बैठक में कहा, हमारा जोर खेल विज्ञान और प्रदर्शन प्रबंधन पर है और पुनर्गठन के साथ साई 138 उच्च-प्रदर्शन विश्लेषकों, 23 उच्च-प्रदर्शन निदेशकों, 23 स्पोर्ट्स मेडिसिन डॉक्टरों, 93 फिजियोथेरेपिस्ट और 104 मालिश करने वालों सहित लगभग 300 और वैज्ञानिक कर्मचारियों को नियुक्त करेगा। आगे के पदों में है अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों, विशेष रूप से ओलंपिक में लक्षित प्रदर्शन के लिए एनसीओई में 50 उच्च प्रदर्शन वाले कोचों के लिए बनाया गया है।

ठाकुर ने बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें एमओएस निसिथ प्रमाणिक और आईओए महासचिव राजीव मेहता, प्रमुख पूर्व एथलीट भाईचुंग भूटिया, अखिल कुमार, तृप्ति मुरगुंडे, कमलेश मेहता सहित अन्य और खेल मंत्रालय और साई के वरिष्ठ सदस्यों सहित शासी निकाय के सदस्य शामिल थे। साई ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि पुनर्गठन से कंडीशनिंग विशेषज्ञों, प्रदर्शन विश्लेषकों, बायोमैकेनिस्ट, मनोवैज्ञानिकों, वीडियो विश्लेषकों, फिजियोलॉजिस्टों के लिए भी पद सृजित होंगे, जिससे एथलीटों को समग्र प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा।

यह भी निर्णय लिया गया कि खेल विकास, साझेदारी, नीति और सीखने सहित कई नए विभागों को टॉप्स में शामिल किया जाएगा, ताकि कुलीन एथलीटों को व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने की दिशा में 360 दृष्टिकोण अपनाया जा सके। शासी निकाय के सदस्यों ने हाल ही में संपन्न टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक में एथलीटों के प्रदर्शन को भी स्वीकार किया और

प्रशंसा के प्रतीक के रूप में पांच साई कोचों, जिनमें से चार वर्तमान एथलीट हैं, को आउट-ऑफ-टर्न पदोन्नति देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। पदोन्नत होने वालों में हॉकी खिलाड़ी सविता पुनिया, जिन्हें सहायक कोच से कोच बनाया गया है, भारतीय हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल, जिन्हें कोच से वरिष्ठ कोच बनाया गया है, हॉकी कोच पीयूष दुबे को भी कोच से पुरुष हॉकी टीम के सीनियर ओच में पदोन्नत किया गया है। पैरालिंपियन हाई जम्पर मरिय्यपन थंगावेलु को सीनियर कोच से मुख्य कोच और शरद कुमार को सहायक कोच से कोच बनाया गया है।

झूलन गोस्वामी बनी विश्व की दूसरी सर्वश्रेष्ठ वनडे गेंदबाज, टॉप 10 ऑलराउंडर्स में भी हुई शामिल

दुबई (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में अंतिम ओवर में भारत के लिए चौका मारकर ऐतिहासिक जीत की मुहर लगाने वाली भारतीय गेंदबाज झूलन गोस्वामी के लिए आईसीसी वनडे रैंकिंग खुशियां ही खुशियां लेकर आया है। ना केवल वह गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं बल्की आईसीसी वनडे ऑलराउंडरों की टॉप 10 रैंकिंग में भी शामिल हो गई हैं।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में झूलन ने चार विकेट चटकाए थे जिसमें अंतिम मुकाबले में 37 रन देकर तीन विकेट भी शामिल हैं। भारत ने तीसरे वनडे में आस्ट्रेलिया को हराकर उसके लगातार 26 एकदिवसीय जीत के अभियान पर विराम लगाया।भारत ने हालांकि श्रृंखला 1-2 से गंवा दी। झूलन हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में भी तीन स्थान के फायदे से 10वें स्थान पर पहुंच गई हैं। उनके 251 अंक हैं। आस्ट्रेलिया की जेस योनासेन 760 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि झूलन के 727 अंक हैं। आस्ट्रेलिया की ही मेगन शुट एक स्थान के नुकसान से 717 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं।इंगलैंड की आन्या श्रुबसोल और केट क्रॉस की गेंदबाजी जोड़ी क्रमश- नौवें और 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल हो गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम दो एकदिवसीय मैचों में तीन विकेट चटकाने वाली श्रुबसोल को चार स्थान का फायदा हुआ है। क्रॉस ने पांचवें वनडे में 44 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे जिससे उन्हें पांच स्थान का फायदा हुआ। बल्लेबाजी रैंकिंग में आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी आठ स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गई हैं। उनकी हमवतन मेग लेनिंग सातवें स्थान पर हैं।मूनी ने भारत के खिलाफ एक शतक और एक अर्धशतक के साथ 89.84 के स्ट्राइक रेट से 177 रन बनाए। आलराउंडरों की सूची में ऐश गार्डनर चार स्थान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। एलिस पैरी खराब फॉर्म के कारण दो स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई हैं जिससे दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप शीर्ष पर पहुंच गई हैं। भारत की दीप्ति शर्मा एक स्थान के नुकसान से पांचवें स्थान पर हैं।

टी20 विश्व कप: भारतीय टीम प्रबंधन के सामने पांड्या के फिटनेस को लेकर समस्या

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप अगले महीने से ओमान ओर यूएई में शुरु होने जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत टूर्नामेंट जीतने का प्रबल दावेदार है। इसी बीच भारतीय टीम के समझ हार्दिक पांड्या के फिटनेस को लेकर समस्या आ खड़ी हुई है। भारत ने 17 अक्टुबर से शुरु हो रहे टी20 विश्व कप के लिए टीम की धोषणा कर दी है। चयन समिती के अध्यक्ष चेतन शर्मा ने कहा था कि पांड्या पूरी तरह से फिट है और वह विश्व कप में अपने कोटे के पूरे चार ओवर गेंदबाजी करेंगे। हालाकि 27 वर्षीय पांड्या ने आइपीएल के यूएई चरण के पहले दो मैच नहीं खेले। रविवार को उन्हें रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ खेलने का मैका मिला, पर उन्होंने गेंदबाजी नहीं की जिसके बाद उनके फिटनेस पर एक बार फिर से सवाल उठने लगे हैं। पूर्व खिलाड़ी सबा करीम ने कहा था कि अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं हैं तो उन्हें टी 20 विश्व कप के टीम में शामिल क्यों किया गया? पिंटिस के अनुसार ऑलराउंडर पांड्या को उनके फिटनेस के चलते विश्व कम टीम से बाहर निकाला जा सकता है। क्रिकेट एडिक्टर के मुताबिक टीमों के पास अपनी टीम बदलने के लिए 10 अक्टूबर तक का समय है। इसलिए, यदि हार्दिक कप्तान के लिए चार ओवर प्रदान करने में असमर्थ है, तो प्रबंधन शार्दुल ठाकुर या श्रेयस अय्यर को लाने की संभावना है। दोनों को भारत के रिजर्व में शामिल किया गया है । इस बीच सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि ऐसा करना मुश्किल होगा लेकिन उनकी फिटनेस पर नजर रखी जा रही है और बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगा।

सनराइजर्स की जीत पर कप्तान विलियमसन बोले- टीम के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ

दुबई। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में सोमवार को सात विकेट की प्रभावशाली जीत दर्ज करने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि टीम के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है। हैदराबाद ने 165 रन की लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.3 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर 10 मैचों में सत्र की दूसरी जीत दर्ज की। टीम के लिए पहला मैच खेल रहे जेसन रॉय ने 60 (42 गेंद में) और विलियमसन ने नाबाद 51 (41 गेंद) रन की पारी खेली। विलियमसन ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, '' आखिरकार कुछ अच्छा महसूस हो रहा है। हम कह सकते हैं कि हमारे प्रदर्शन में सुधार हुआ है। आज खिलाड़ियों की भूमिकाएं पहले से तय कर दी गई थी। मैं युवा खिलाड़ियों को प्रदर्शन करते हुए देखना चाहता था।'' विलियमसन ने मैच में वापसी के लिए अपने गेंदबाजों की सराहना करने के साथ रॉय की पारी की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''राजस्थान की पारी में अंतिम दो ओवर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण थे। संजू (सैमसन) ने बेहतरीन बल्लेबाजी की लेकिन हमने भी उन्हें एक ऐसे स्कोर पर रोकने में सफल रहे जिसे हासिल किया जा सकता था।'' उन्होंने कहा, '' रॉय ने टीम में ऊर्जा का संचार किया। उसने शानदार प्रदर्शन किया। उन्हें मौका नहीं मिल पा रहा था लेकिन वह खेलने के लिए हमेशा से तैयार थे।'' मैन ऑफ द मैच रॉय टीम के लिए अपने पहले मैच में अर्धशतक लगाकर खुश है। उन्होंने कहा, '' मैं काफी खुश हूं, मैं इस मौके के लिए सनराइजर्स (हैदराबाद) का शुक्रगुजार हूं। मैं भले ही खेल नहीं रहा था लेकिन नेट सत्र में लगातार कड़ी मेहनत कर रहा था।

सुनील नारायन के ऑलराउंड प्रदर्शन से कोलकाता ने की 3 विकेट से दिल्ली फतह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए हर मैच में एक नया खिलाड़ी उभर रहा है। आज सुनील नारायन ने पहले गेंदबाजी में (2-18) फिर बल्लेबाजी में 28 रन बनाकर कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिला दी। 128 रनों का पीछा करते हुए कोलकाता को मुश्किलें तो आयी लेकिन मैच से बाहर टीम नहीं गई। कम स्कोर होने के कारण मध्यक्रम लड़खड़ा जाने के बावजूद भी टीम को 3 विकेट से जीत मिल गई। सुनील नारायन ने 10 गेंदो में 2 छक्के और 1 चौके की मदद से 21 रन बनाए। हालांकि वह कोलकाता को जिताने से पहले एनरिच की गेंद पर अक्षर पटेल को अपना कैच थमा बैठे।

टीम की फील्डिंग चिंता का विषय बनी हुई है : मोरिस

दुबई (एजेंसी)।

राजस्थान रॉयल्स के ऑलराउंडर क्रिस मोरिस ने कहा है कि टीम के लिए सबसे बड़ी दिक्कत है टीम खेल के बड़े पलों को हासिल नहीं कर पा रही है और फील्डिंग अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है।

कुछ कैच छोड़ना और अन्य बल्लेबाजों का कप्तान संजू सैमसन का साथ नहीं देना राजस्थान की सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार का कारण रहा।

मोरिस ने कहा, फिलहाल हम बड़े पलों में प्रदर्शन नहीं कर

रहे हैं जब बड़े पल आते हैं, गेंदबाजी या बल्लेबाजी में, मुझे नहीं लगता कि हम उन्हें जीत रहे हैं। हमारे पहले मैच में एक बहुत बड़ा पल था जिसे हमने जीता, इसके अलावा हमने कभी भी अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला। उन्होंने कहा, सैमसन ने काफी कठिन पिच पर अच्छी पारी खेली लेकिन गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। फील्डिंग में सुधार लाने की जरूरत है। दुर्भाग्य से हमने कुछ अतिरिक्त रन दिए और अहम कैच छोड़े। हमें अगले मैच से पहले इसमें सुधार करना होगा।

मोरिस ने कहा, मेरा बयान हमेशा कहता है कि सूरज कल आएगा और हम आगे बढ़ेंगे, और यह हमारे लिए संकट का समय है। अब हमें खेल के बड़े क्षणों में बेहतर करना होगा। राजस्थान की टीम के 10 मैचों में आठ अंक हैं और वह तालिका में छठे स्थान पर है।

टी 20 क्रिकेट में दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने पूरे किए 3000 रन

नई दिल्ली। ऋषभ पंत को इस साल दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी मिली इसके बाद उन्होंने एक उपलब्धि और हासिल कर दी है। कोलकाता के खिलाफ मैच में उन्होंने टी-20 क्रिकेट में 3000 रन बना लिए हैं। ऋषभ पंत ने इसके साथ ही दिल्ली की फ्रैंचाइजी के लिए सबसे तेज रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ा।ऋषभ पंत ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए 2390 रन बना लिए हैं जबकि वीरेंद्र सहवाग ने दिल्ली कैपिटल्स (तब दिल्ली डेयरडेविल्स) के लिए 2382 रन बनाए थे। इसके अलावा ऋषभ पंत ने यह कारनामा सबसे कम पारियों में पूरा किया है। पंत ने यह 3000 टी-20 रन सिर्फ 101 पारियों में बनाए हैं। ऋषभ पंत संयुक्त रूप से स्टीव स्मिथ के साथ कोलकाता के खिलाफ मैच के टॉप स्कोरर रहे। पंत ने 36 गेंदो में 3 चौकों के साथ 39 रन बनाए। उनको करुण नायर ने दिनेश कार्तिक की मदद से रन आउट कर दिया।

आईपीएल 2021: प्लेऑफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई है कोई टीम, ऐसे मिल सकती है टॉप-4 में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2021 में अब तक 40 मुकाबले खेले जा चुके हैं. चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का प्लेऑफ में पहुंचना तय हो चुका है. लेकिन अभी तक कोई भी टीम टॉप 4 की दौड़ से बाहर नहीं हुई है. चेन्नई और दिल्ली के बाद आरसीबी के सबसे ज्यादा अंक हैं. आरसीबी की टीम एक और मुकाबला जीत कर प्लेऑफ में जा सकती है. हालांकि बाकी टीमों के बीच टॉप-चार में जगह बनाने के लिए कड़ी जंग होगी. इन टीमों को एक-एक अंक के लिए मुकाबला करना पड़ेगा.

चेन्नई की टीम 16 अंकों के साथ अंकतालिका में टॉप पर है. यह टीम टॉप-2 में रह सकती है.

दिल्ली कैपिटल्स की टीम 16 अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है और इस टीम के भी टॉप-2 में रहने की संभावना है.

तीसरे नंबर पर 12 अंको के साथ आरसीबी है. विराट की सेना टॉप-4 में जगह बना ही लेगी. यह भी संभावना है कि बेंगलुरु की टीम टॉप-2 में पहुंच जाए.

कोलकाता के फिलहाल 8 अंक है और कोलकाता के पास टॉप चार में जगह बनाने का पूरा मौका है.

पंजाब की टीम के 8 अंक हैं और उसके पास भी अभी टॉप 4 में जगह बनाने का मौका है.

राजस्थान रॉयल्स ने 9 मैच खेले हैं और वह 8 अंकों के साथ छठे नंबर पर है. राजस्थान के टॉप 4 में जगह बनाने की संभावना बहुत ज्यादा नजर आ रही है.

मुंबई इंडियंस की टीम के 8 अंक हैं और उसके पास भी प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है. लेकिन इसके लिए उसे अपने बाकी बचे सभी मुकाबले जीतने होंगे.

हॉकी स्टार श्रीजेश से मिलकर खुशी हुई : विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनारई विजयन ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पी.आर श्रीजेश से मिलकर खुशी जाहिर की है। भारत ने इस साल टोक्यो ओलंपिक में हॉकी में कास्य पदक जीता था। विजयन ने श्रीजेश से मुलाकात करने के बाद फेसबुक में पोस्ट कर लिखा, मंगलवार की सुबह श्रीजेश मेरे दफ्तर आए और मुझे उनसे मिलकर काफी खुशी हुई। उन्होंने हॉकी में भारतीय तिरंगे को ऊंचा किया। हमने आपस में कुछ पल साझा किए। मैं और भी पदक जीतने के लिए उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं। श्रीजेश ने इस दौरान विजयन को अपना पदक दिखाया। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान श्रीजेश केरल के शिक्षा विभाग में चीफ स्पोर्टस ऑर्गनाइजर थे, जिनका प्रोमोशन कर उन्हें डायरेक्टर का पद दिया गया है।

ओलंपिक में हमने सीखी जीत की कीमत : गुरजंत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड खिलाड़ी गुरजंत सिंह जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक खेलों में तीन गोल किए थे, ने मंगलवार को कहा कि ऐतिहासिक कांस्य विजेता अभियान ने टीम को सिखाया था कि जीत की कीमत होती है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में पदक के लिए भाग लेना और लड़ना बिल्कुल अलग खेल है।

गुरजंत ने कहा, एक पदक के लिए भाग लेना और लड़ना पूरी तरह से एक अलग खेल है। हर टीम जीतना चाहती है, और वो भी पूरी तरह से तैयार होकर आती हैं, उन्होंने भी हमारी तरह कड़ी मेहनत की थी, इसलिए ओलंपिक में पदक जीतना आसान नहीं है, और मुझे लगता है कि यह हमारी सबसे बड़ी सीख भी थी। उन्होंने कहा, तैयारी से प्रतिस्पर्धा और ओलंपिक में पदक जीतने तक की पूरी यात्रा ने हमें सिखाया कि जीत एक कीमत पर आती है, और कीमत कड़ी मेहनत थी। हमने दिन-रात काम किया था, हमने अपनी शारीरिक फिटनेस और मानसिक फिटनेस पर भी काम किया था, हमने बहुत सारे बलिदान दिए, और मुझे लगता है कि जिसका हमें परिणाम मिला।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपना पहला ओलंपिक खेल खेलते हुए घबराए हुए थे, 26 वर्षीय फारवर्ड ने कहा, मुझे लगता है कि आत्मविश्वास और उत्साह का स्तर घबराहट से अधिक था। अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की वह भावना, जिसका हॉकी में बहुत शानदार ओलंपिक इतिहास रहा है, आपको मैदान पर अतिरिक्त आत्मविश्वास देता है। उन्होंने कहा, हां, क्वार्टरफाइनल मैच में थोड़ा दबाव था, लेकिन हमने इसे असाधारण रूप से अच्छी तरह से प्रबंधित किया। हमने 41 साल बाद ओलंपिक पदक जीता। मैं भाग्यशाली हूं कि मैं इसका हिस्सा था और टीम की ऐतिहासिक जीत में योगदान दे सका।

अमृतसर में जन्मे गुरजंत ने कहा कि टीम का उद्देश्य निरंतरता बनाए रखना और ऐतिहासिक अभियान को आगे बढ़ाना होगा। गुरजंत 2016 जूनियर पुरुष विश्व कप जीतने वाली इंडिया कोल्ट्स टीम का हिस्सा थे। आगामी एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप भुवनेश्वर 2021 पर गुरजंत ने कहा, मुझे वास्तव में खुशी है कि जूनियर विश्व कप का अगला संस्करण भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है, जो भारतीय हॉकी का घर है। ओडिशा सरकार वास्तव में सहायक रही है। भारतीय हॉकी के लिए, और प्रशंसक वास्तव में खेल के बारे में भावुक हैं, यह जूनियर खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा अनुभव होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असफलता

के लिए दूसरों को जिम्मेदार न ठहराएं

आदतें ही हमारे भविष्य का निर्धारण करती हैं क्योंकि किसी भी आदत का मतलब होता है, बार-बार एक ही काम को करना। अगर हमें उन कामों को करने की आदत हो जाती है तो जो हमें नहीं करना चाहिए तो हम असफलता की ओर जा रहे होते हैं। लाइफ में हर काम सोच-समझकर अपनी शाक्ति और योग्यतानुसार चुनने के बावजूद आखिर व्यक्ति असफल क्यों होता है। आइए जानते हैं वे कौन सी आदतें होती है जो व्यक्ति को फेल बनाती है-

यह नमुमकिन है

अधिकांश लोग जो किसी की काम को करने से पहले ही उसके लिए ना होने की बात कहते है, वे निश्चित रूप से असफल व्यक्ति की पहचान होती है। जो एक ऐसी दुनिया में जी रहे होते है जिसमें मुमकिन कुछ भी नहीं होता, सभी काम उसके लिए नमुमकिन होते है। उसका व्यवहार हमेशा ना वाला होता है। और वे अपनी कामयाबी के नाव को डुबों रहे होते है।

मुझे इससे परेशानी है

व्यक्ति की सबसे खराब आदतों में से एक आदत यह भी होती है कि अपनी ना कामयाबी का जिम्मेदार दूसरों को ठहराना। व्यक्ति अगर किसी कारणवस सफल नहीं हो पाता है तो वे अपने आस-पास के लोगों और परिचितों को दोषी ठहराने लगता है कि मेरी असफलता के पीछे फलां का हाथ है, उसने मेरी मदद नहीं की इसलिए या मुझे बताया नहीं।

मुझे अपना आइडिया ही पसंद है

आपने कई बार ध्यान दिया होगा कि लोगों को केवल अपने ही विचार पंसद आते है। असलियत में यह लक्षण स्वार्थी और टीमवर्क की विशेषताओं की कदर ना करने वालों की होती है। ऐसे लोग सिर्फ अपने विचारों को ही पंसद करते है और उन्हें ही प्रदर्शित भी करते है चूंकि वे व्यक्ति कभी यह नहीं चाहते कि कोई ओर व्यक्ति कामयाबी हासिल करें।

हमे आपके राय मशवरे की जरूरी नहीं

इस कथन का प्रयोग व्यक्ति तब करता है जब वे तय कर चुका होता है कि उसे टीम में रह कर काम नहीं करना है। यह आदत दर्शाती है कि व्यक्ति को मिल-जुलकर काम करना पंसद नहीं है और वे एक टीम को लेकर चलने में सक्षम नहीं होता है जिसके कारण उसे काम के कम ही मौके मिलते है।

मैं पहले से जानता हूं या जानती हूं

यह व्यवहार आजकल के बड़ों से लेकर बच्चों तक सभी का है। आज किसी बच्चे को बोल दो कि यह काम ऐसे करना है तो जवाब फटाक से निकलेगा कि मैं पहले से जानता या जानती हुं कि कैसे होगा। यह आदत व्यक्ति की शुरूआत से ही आगे बढने में परेशानी पैदा करता रहता है।

तुम निश्चित तौर पर गलत हो

अपने आगे किसी को सही ना समझना कामयाबी के रास्ते में लाल छड़ी की तरह है। चूंकि ऐसे व्यक्ति हमेशा यह सोचते है कि केवल वही सही है और बाकी के सभी गलत है। इसके लिए बेहतर होगा कि कभी-कभार दूसरों को भी सही समझे और अपनी सीमाओं को स्वीकारें।

मुझसे नहीं होगा

असफल व्यक्ति को यह काम मुझसे नहीं होगा जैसी बातें करना पंसद करते है। व्यक्ति को अक्सर बात करनी चाहिए कि क्या मुमकिन नहीं है लेकिन जब कोई इस शब्द से शुरूआत करें की नहीं हो सकता तो इसका मतलब है कि वे व्यक्ति मुसीबत में है। यह कहना कि मैं नहीं कर सकता का मतलब है कि वे अपने सिद्धांत को भुलता जा रहा है और बिना काम को देखे ही हो पाएगा या नहीं बस ना करता रहता है।

पहले मैं अपना कार्यक्रम जांच लूं

दुनिया में ऐसे लोग भी होते हैं जो हमेशा बिजी रहने का बहाना करते रहते हैं। इनके हर अधूरे काम की वजह एक ही होती है, बिजी था, इसलिए कर नहीं सका। आप इनसे पूछिए कि आपको फलां जगह पहुंचने का वादा करके भी क्यों नहीं आए तो इनका जवाब होगा-बहुत बिजी था। आप अगर इनसे कहेंगे कि कम से कम फोन तो कर ही सकते थे तो उसके लिए भी इनका यही जवाब होगा-बहुत बिजी था। ऐसे लोगों के लिए बिजी होना एक ऐसा बहाना है जिसका वे अपनी हर गलत बात, हर गलत आदत की रक्षा में इस्तेमाल करते हैं। वास्तव में बिजी होना और बिजी या व्यस्त होने की आदत का शिकार होना दो बिल्कुल अलग बातें हैं। जो व्यक्ति 10 कामों में से 8 कामों के न होने का कारण अपने को बिजी होना बताए तो समझ लीजिए कि वह प्रोफेशनल होना ही नहीं चाहता।

बहानेबाजी या टालने की आदत से बचें

बहानेबाजी या टालते रहने की प्रवृति इंसान को असफलता की ओर धकेलती है। यदि किसी काम को करने में समस्या आ रही है तो सबसे पहले उसका समाधान करें। घबरा कर पलायन न कर जाएं। इस बात का ध्यान रखें कि असफलता ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है इसलिए अपनी कामयाबी के लिए निरंतर प्रयास करती रहें। कामयाब होने की प्रेरणा ही किसी की जिंदगी में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

मुझसे नहीं होगा

हमेशा सकारात्मक विचारधारा अपनाएं, आशावादी बनें क्योंकि निराशावादी विचारधारा इंसान को कुंठित कर असफलता की ओर धकेलती है। वे किसी भी कलात्मक हॉबी को निखार कर अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। इस प्रकार वे परिवार में, समाज में आत्म सम्मान से जीते हैं।

लोगों से संबंध बनाए, बिगाड़े नहीं

अपनी योग्यता को पहचान कर उसे मुकाम तक ले जाने के लिए संपूर्ण शक्ति से जुट जाएं। इसके लिए ऐसे लोगों से अपना संबंध बनाएं, जो आपकी तरह महत्वाकांक्षी एवं परिश्रमी हों तथा सच्ची तथा दृढ़ इच्छा शक्ति वाले हों। यदि आप निराश व्यक्ति का साथ देंगे तो निराशा ही आपके हाथ लगेगी, क्योंकि ऐसे लोग आपका मनोबल गिराएंगे, आपको ऊपर नहीं उठने देंगे। निराशा सफलता की घोर दुश्मन है।

मूड नहीं है अभी

अभी काम का मूड नहीं बना या अभी मूड नहीं है जैसे आदत को छोडने की कोशिश करें। अच्छा समय मूड के कारण रुकता नहीं है और इस प्रकार अच्छा अवसर मुट्ठी से रेत की तरह फिसल जाता है, फिर बाद में केवल पछतावा ही रह जाता है। उनमें अंदर से तो कोई काम करने की खूबी नहीं होती है लेकिन बढ़-चढ़कर स्टाइल मारकर दिखाते रहते है जैसे सिगरेट, शराब आदि की आदतें। जिससे वे यह नहीं सोचते की वे अंधेरी गली की ओर जा रहे है।

विदेशी शिक्षा का नया गढ़

जर्मनी

जर्मनी इन दिनों विदेशी शिक्षा के लिए नयी जगह के रूप में उभर रहा है. भारत से इस देश की ओर रुख करनेवाले छात्रों की संख्या में पिछले दिनों वृद्धि दर्ज की गयी है. आइए जानें कैसी है जर्मनी की शिक्षा पद्धित..

उच्च शिक्षा हासिल करने की इच्छा आपके ध्यान को कई तरफ ले जाती है. एक बार फैसला कर लिया कि किस विषय और प्रोग्राम के लिए जाना चाहते हैं, तब अध्ययन करने के लिए सही जगह के बारे में सोचना शुरू किया जाता है. जगह का अर्थ है कौन-सा देश, शहर और विश्वविद्यालय है, जिससे आपकी सोच और सपने सही मायने में पूरे हो सकें.

जर्मनी का चुनाव है सही

जर्मनी में पढ़ाई करने के लिए भारतीय छात्रों की संख्या हाल के वर्षों में बढ़ी है. पांच वर्ष पहले तक भारत से जर्मनी जानेवाले छात्रों की संख्या लगभग 3,500 थी, जो पिछले वर्ष लगभग 7,500 हो गयी है. यह समझना आवश्यक होगा कि यहां पढ़ने के लिए जर्मन भाषा का जानकार होना आवश्यक नहीं है. हां, अपनी डिग्री की पढ़ाई करते हुए जर्मन अवश्य सीख सकते हैं. क्योंकि इसकी कक्षाएं प्रत्येक विश्वविद्यालय में निशुल्क चलायी जाती हैं. जर्मनी अपनी शिक्षा और रिसर्च दोनों के लिए ही उच्च कोटि का है. इसके विश्वविद्यालयों में पूरी दुनिया से छात्र उच्च शिक्षा के लिए आते हैं. सभी की संस्कृति को समझ कर उनके साथ घुल-मिल कर अपना एक नेटवर्क तैयार कर सकते हैं. इससे आप व्यावहारिक, सांस्कृतिक, व्यावसायिक, आर्थिक और राजनैतिक रूप से परिपक्व होंगे.

प्रवेश द्वार है आइइएलटीएस

सामान्यरूप से आइइएलटीएस या टोफेल टेस्ट्स हैं, जो आपके अंगरेजी ज्ञान को जांचते हैं और तय करते हैं कि आप कोर्स को अंगरेजी में पढ़ने और समझने में सक्षम हैं कि नहीं. आइइएलटीएस की आवश्यकता लगभग हर देश में दाखिले के लिए होती है. जर्मनी में पढ़ाई करने के लिए सिर्फ आइइएलटीएस देकर दाखिला पा सकते हैं. हां, यह जरूर है कि विश्वविद्यालय छात्रों से लेटर ऑफ रिकमेंडेशन और स्टेटमेंट ऑफ परपज भी मांगते हैं. इसे आवेदन पत्र के साथ देना होता है. ये सब चीजें आपके आवेदन पत्र को मजबूत बनाते हैं. किसी तरह का कार्यानुभव और एक्सट्रा करिक्यलम एक्टिविटीज आपके आवेदन प्रोफाइल को और मजबूती प्रदान करते हैं.

कौन से हैं मुख्य कोर्स

जर्मनी में सामान्यत- भारतीय छात्र मास्टर्स की पढ़ाई के लिए जाते हैं. सबसे अधिक इंजीनियरिंग में, फिर बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग साइंसेस में. जर्मन विश्वविद्यालयों से पीएचडी करनेवाले अधिकतर छात्र जर्मनी से ही मास्टर्स करते हैं. यानी यदि आप जर्मनी से पीएचडी करना चाहते हैं, तो आपको वहीं से ही मास्टर्स पूरा करना चाहिए. जर्मनी में पढ़ाई के लिए कुछ विषय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहद अच्छे माने जाते हैं. जैसे मेकेनिकल इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, नेचुरल साइंसेस, अर्थ साइंसेस, एंवायर्नमेंटल आर्किटेर, फॉरेस्ट्री, ट्रांसपोर्ट इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंसेस, मैथमेटिक्स आदि.

ट्यूशन फीस से रहें मुक्त

शायद आपको पता हो कि जर्मन विश्वविद्यालयों में पढ़ाई के लिए ट्यूशन फीस नहीं लगती. अत-इन विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना काफी प्रतियोगितापूर्ण होता है. प्रवेश की प्रतियोगिता लगभग 12 महीने पहले प्रारंभ हो जाती है. यदि आपको सितंबर/ अक्तूबर, 2015 से प्रारंभ होनेवाले सेशन में प्रवेश लेना है, तो अक्तूबर, 2014 में ही आवेदन करें. 12 महीने तो सिर्फ आवेदन प्रक्रिया के लिए कहे जाते हैं, लेकिन आवेदन प्रक्रिया में अपने आपको सबसे ऊपर रखने के लिए तैयारी लगभग एक वर्ष पहले से प्रारंभ करनी चाहिए. जैसे आइइएलटीएस की तैयारी करना फिर टेस्ट देना आदि. इस तरह की बातों को ध्यान में रखते हुए छात्रों को स्वयं को तैयार करना चाहिए क्योंकि यह कदम उनके जीवन को एक नयी दिशा प्रदान करता है.

फूड स्टाइलिस्ट आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन

कुलिनरी आर्ट में दिलचस्पी है, तो शेफ के अलावा फूड स्टाइलिस्ट के रूप में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से जुड़ने का सुनहरा मौका है..

आज जमाना प्रेजेंटेशन का है। फिर चाहे बात किसी इंटरव्यू की हो, बिजनेस मीट या मार्केट में अपने प्रोडक्ट को स्थापित करने की। आपने अक्सर टीवी विज्ञापनों, रेस्टोरेंट्स और कुलिनरी मैगजीन्स में ऐसे फूड आइटम्स या डिशेज को देखा होगा, जिन्हें लेने के लिए आपका मन मचल गया होगा। यह भी एक नमूना है प्रेजेंटेशन का, जिसे फूड स्टाइलिंग कहते हैं। यह एक स्पेशलाइज्ड आर्ट है, जिसमें फूड स्टाइलिस्ट्स, फोटोग्राफर्स के साथ मिलकर फूड की खूबसूरत इमेज क्रिएट करते हैं। ऐसे में अगर आप कुलिनरी और फोटोग्राफी का शौक रखते हैं, कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं, तो बतौर फूड स्टाइलिस्ट करियर को नया आयाम दे सकते हैं।

क्या होती है स्टाइलिंग?

एक फूड स्टाइलिस्ट खाने के आइटम्स को कुछ इस तरह अरेंज या ऑर्गेनाइज करता है कि आपका मन तुरंत उसे टेस्ट करने या खरीदने को होने लगता है। लेकिन इसके लिए उसे काफी मेहनत करनी पड़ती है। फूड आइटम्स और डेकोरेटिव सामानों की शॉपिंग से लेकर खाना तैयार करने और फिर उसका फोटो शूट कराने की जिम्मेदारी एक फूड स्टाइलिस्ट की होती है। शूट से पहले कॉन्सेप्ट क्रिएट करना, सभी जरूरी क्रॉकरी, ग्लासवेयर, कटलरी, फूल, कैंडल, रिबन आदि इकट्ठा करने का काम भी स्टाइलिस्ट का ही होता है। कह सकते हैं कि एक फूड स्टाइलिस्ट का मकसद खाने का ऐसा इमेज क्रिएट करना होता है कि वह फ्रेश और टेस्टी नजर आए, यानी यहां प्रेजेंटेशन काफी अहम होता है क्योंकि आज कंच्यूमर पहले से कहीं ज्यादा अवेयर हो चुका है।

विजुअलाइजेशन पॉवर जरूरी

फूड स्टाइलिंग एक ऐसी फील्ड है जिसमें किसी फॉर्मल क्वालिफिकेशन की जरूरत नहीं है। लेकिन आपके पास फूड की नॉलेज के साथ-साथ क्राफ्टवर्क और विजुअलाइजेशन पॉवर होना चाहिए, ताकि किसी भी डिश को इनोवेटिव स्टाइल से प्रेजेंट या पेश कर सकें। अगर उन्हें फोटोग्राफी आती है, तो और भी बेहतर। क्योंकि खाना देखने में भले ही कैसा क्यों न लगे, एक फोटोग्राफर ही उसकी खूबसूरती को बेहतर ढंग से हाइलाइट कर सकता है, जिससे कि उसे देखते ही मुंह में पानी आ जाए। ऐसे में जिनके पास भी एस्थेटिक सेंस, क्रिएटिव आइडियाज, टेक्निकल नॉलेज, पेशंस और नेटवर्किंग स्किल है, इंडस्ट्री की लेटेस्ट जानकारी रखते हैं, वे सक्सेसफुल फूड स्टाइलिस्ट बन सकते हैं।

लर्निंग विद एक्सपीरियंस

प्राइवेट सेक्टर के कुछेक इंस्टीट्यूट्स को छोड़ दें, तो इंडिया में फूड स्टाइलिंग का कोई कोर्स नहीं है। हां, जो लोग इसमें करियर बनाना चाहते हैं, उन्हें कुलिनरी आर्ट में बेसिक ट्रेनिंग लेनी होगी। इससे उन्हें यह तकनीकी जानकारी मिल जाएगी कि अलग-अलग फूड आइटम्स, इंग्रीडिएंट्स एक-दूसरे पर कैसा प्रभाव डालते हैं। इसके अलावा होटल मैनेजमेंट में डिग्री रखने वाले भी फूड स्टाइलिस्ट के तौर पर अपना फ्यूचर बना सकते हैं। आप चाहें, तो विदेश के किसी इंस्टीट्यूट से इससे रिलेटेड कोर्स कर सकते हैं।

जॉब अपॉर्च्युनिटीज बढ़ीं

अब से कुछ साल पहले तक फूड स्टाइलिंग ऐड फिल्म्स, प्रिंट ऐड या फूड पैकेजिंग तक ही सीमित था। लेकिन आज फूड और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की ग्रोथ के साथ संभावनाएं बढ़ी हैं। इन दिनों कुकबुक्स, मैगजीन्स, एडवरटाइजिंग एजेंसीज, फिल्म प्रोडक्शन हाउसेज, पब्लिशिंग हाउसेज, होटल्स और रेस्टोरेंट्स, डिजाइन हाउसेज के अलावा फूड बेस्ड रिएलिटी शोज में फूड स्टाइलिस्ट की डिमांड देखी जा रही है। इसके अलावा एक फ्रीलांसर के तौर पर भी करियर की शुरुआत की जा सकती है।

सार समाचार

सामने आया दिल दहलाने वाला मामला, बॉयफ्रेंड ने जिंदा गर्लफ्रेंड को सूटकेस में बंद कर फेंका

नई दिल्ली। आए दिन ही हमारे सामने दुनिया से बेहद दर्दनाक , दहशत भरी और सनसनीखेज खबरें सामने आती रहती हैं। ऐसा ही एक क्रूरता का मामला हाल ही में सामने आया है। जहां एक अमेरिकी युवक ने अपने एक्स गर्लफ्रेंड को मौत के घाट उतार दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस अमेरिकी युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड को पीटा और फिर उसे जिंदा सूटकेस में भरकर जंगल में फेंक दिया। जहां लड़की ने सूटकेस में ही दम तोड़ दिया ।आरोपी की पहचान 26 साल के छ्ठ्ठ1द्दह्र ष्ठ स्द्दद्य1ड्ड ऋद्धड्डह्य के रूप में हुई है। रिपोर्ट से बातें सामने आई है कि जेवियर और वलरी के बीच दोस्ती थी लेकिन किसी बात को लेकर दोनों की यह दोस्ती टूट गई। फिर अचानक एक दिन जेवियर, वलरी के घर में दाखिल हो गया। जहां पहले दोनों के बीच झगड़ा हुआ और जेवियर ने वलरी के सिर पर प्रहार किया, जिसके चलते उसको सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आई। जब जेवियर का गुस्सा इतने से भी शांत नहीं हुआ तो उसने वलरी के हाथ -पैर बांध दिए और उसके मुंह पर टेप लगाकर ,उसे जिंदा ही सूटकेस में डालकर वह 20 किलोमीटर तक ड्राइव कर उसको कैनईकेट के पास जंगल में फेंक आया। पुलिस के मुताबिक लड़की की दर्दनाक मौत दम घुटने से हुई है। लड़की के घरवालों ने वैलेरी को घर में न पाकर पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी।पुलिस द्वारा की गई जांच में यह पूरा मामला सामने आया और पुलिस ने एक हफ्ते बाद लड़की की बॉडी को जंगल से बरामद किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी जेवियर ने वलरी का डेबिट कार्ड और लैपटॉप भी चुराया था। उसने वैलेरी के खाते से लगभग ?400000 निकाले थे। पुलिस ने जेवियर को गिरफ्तार कर कोर्ट के सामने पेश किया है ,जहां 23 सितंबर को कोर्ट ने आरोपी को 30 साल की कैद की सजा सुनाई है।

नेपाल में बना गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 5,500 मीटर की ऊंचाई पर कराया गया फैशन शो

काठमांडू। नेपाल ने जमीन पर सर्वाधिक ऊंचाई पर फैशन शो करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। ऐसा दावा कार्यक्रम के आयोजकों ने किया और कहा कि माउंट एवरेस्ट आधार शिविर के पास 5,500 मीटर की ऊंचाई पर फैशन शो आयोजित किया गया। एक निजी परिधान ब्रांड ने शो का आयोजन किया था जिसमें प्रिंस ऑफ टस्कनी (इटली), कोसिमो डि मेडिकी ने भी रैंप पर वॉक किया। भारत के फैशन डिजाइनर पंकज के. गुप्ता और नेपाली डिजाइनर रामिला नेमकुल भी सुर्खियों में रहे।

चरमराने के करीब पहुंची अफगान बैंकिंग प्रणाली

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की बैंकिंग प्रणाली चरमराने के करीब है। बीबीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि इस्लामिक बैंक ऑफ अफगानिस्तान के मुख्य कार्यकारी सैयद मूसा कलीम अल-फलाही ने कहा है कि देश का वित्तीय उद्योग अस्तित्व के संकट की चपेट में है और ग्राहक में घबराहट कायम है। फिलहाल सैयद मूसा कलीम काबुल में अराजकता के कारण दुबई में हैं। उन्होंने दुबई से बोलते हुए कहा, इस समय बड़ी निकासी हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, केवल निकासी हो रही है, अधिकांश बैंक काम नहीं कर रहे हैं और पूरी सेवाएं नहीं दे रहे हैं। अगस्त में तालिबान के नियंत्रण में आने से पहले ही अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही अस्थिर स्थिति में थी। लेकिन तालिबान के अधिग्रहण के बाद से, पश्चिम ने अंतरराष्ट्रीय फंड को फीज कर दिया है, जिसमें अफगानिस्तान की संपत्ति विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास पहुंच सकती है। कुल मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय धन और विदेशी सहायता प्राप्त करना अफगानिस्तान के अस्तित्व की कुंजी है। लेकिन अमेरिका जैसे देशों ने कहा है कि वे तालिबान के साथ काम करने पर विचार करने को तैयार हैं, मगर यह कुछ पूर्व शर्तों पर निर्भर करेगा, जिसमें महिलाओं और अल्पसंख्यकों को साथ लेकर एक समावेशी सरकार का गठन और मानवाधिकार के प्रति प्रतिबद्धता शामिल है।

अफगान प्रतिनिधि ने यूएनजीए में अपने संबोधन को किया रद्द

काबुल। संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि गुलाम मुहम्मद इसकजई ने राष्ट्रीय हितों और देश की सीट की रक्षा के लिए महासभा के अपने संबोधित को रद्द कर दिया। खामा न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इसकजई को सोमवार को महासभा के 76वें सत्र को संबोधित करना था, लेकिन बाद में उन्होंने इसे रद्द कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान के मिशन ने एक ट्विटर पोस्ट में कहा कि वे विश्व निकाय में देश की सीट को संरक्षित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के साथ काम करना जारी रखेंगे। इससे पहले, तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के सदस्य सोहेल शाहीन ने कहा कि उन्हें संयुक्त राष्ट्र में भाग लेने का अधिकार है। शाहीन ने इस साल की महासभा में उन्हें बाहर करने के फैसले की आलोचना भी की। शाहीन ने कहा कि अफगानिस्तान के लोगों द्वारा तालिबान का समर्थन किया जा रहा है और उनके पास उनकी रक्षा करने की क्षमता है, इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र को इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान को मान्यता देनी चाहिए। इससे पहले, इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान ने उन्हें अफगानिस्तान का स्थायी प्रतिनिधि बनने की सिफारिश की थी और संयुक्त राष्ट्र से उन्हें महासभा को संबोधित करने का अवसर देने के लिए कहा था, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया था।

सीमाओं को फिर से खोलना आर्थिक सुधार की है कुंजीट्ट मालदीव के मंत्री

माले। राज्य के स्वामित्व वाली पीएसएम न्यूज ने मंगलवार को सूचना दी कि मालदीव के पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला मौसूम ने कहा कि देश की सीमाओं को फिर से खोलना अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व पर्यटन दिवस पर बोलते हुए, मौसूम ने देश की सीमाओं को फिर से खोलने के लिए राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार स्थानीय पर्यटन व्यवसायों को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देती है क्योंकि वे द्वीप राष्ट्र के निवासियों के लिए आय और रोजगार पैदा करते हैं।

रियल एस्टेट क्राइसिस के बाद अब चीन में हो गई 'बत्ती गुल', घरों में पसरा अंधेरा, फैक्ट्रियों में काम बंद

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

अर्नेस्ट हेमिंग्वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिंक्शन लेखकों में से एक हैं। उनकी पहली नॉवेल का नाम था 'द सन आल्सो राइजेज' नॉवेल का एक किरदार बिल एक दूसरे किरदार माइक से पूछता है- 'How dis you go Broke' यानी तुम दिवालिया कैसे हुए? माइक जवाब देता है दो तरीकों से धीरे-धीरे और फिर अचानक। 1926 में लिखी गई इन लाइनों को चीन बार-बार पढ़ रहा होगा। चीन की दूसरी सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी के दिवालिया होने की कगार पर आने के बाद अब चीन की बत्ती गुल हो गई है, जिसकी वजह से उसकी कंपनियों पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि चीन में भारी बिजली संकट के बीच सैकड़ों घरों और कारखानों में अंधेरा छा गया है। कुछ शहर ट्रैफिक लाइट को बंद करके इसकी आपूर्ति कर रहे हैं।

घरों में अंधेरा, फैक्ट्रियों में काम ठप्प

चीन के पूर्वोत्तर इलाकों में संकट इतना गहरा हो गया है कि बड़ी कंपनियों की फैक्ट्रियों में काम रुक गया है। कई मॉल व दुकानें भी बंद हो चुकी है और लोग अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हो गए हैं। सरकार ने चीन में कुछ प्रांतों में स्थित तमाम कंपनियों को अपने उत्पादन में कटौती करने के निर्देश दिए हैं जिससे कि बिजली की खपत कम की जा सके। इन प्रांत के लोगों से भी सरकार ने कहा कि वो अपने घरों में ऐसे संसाधनों का इस्तेमाल ना करें जिससे अधिक बिजली की खपत हो।

बिजली संकट की वजह

चीन में जहां इस साल अगस्त में जितनी बिजली का उत्पादन हुआ था वह पिछले वर्ष की तुलना में करीब 10 फीसदी से अधिक था। फिर ऐसा क्या हो गया कि चीन में बिजली की इतनी बड़ी दिक्कत आने लगी? दरअसल, इस प्रश्न के कई उत्तर में से एक है कोरोना महामारी, चीन में औद्योगिक गतिविधियां तेजी से बढ़ी है, जिसके चलते बिजली की मांग में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसके अलावा चीन में बिजली संकट के पीछे कोयला सप्लाई भी एक बड़ी वजह है। चीन में कई बंदरगाह लंबे वक्त से बंद पड़े थे। ऐसे में मांग के अनुरूप कोयले की सप्लाई नहीं हो पाई। यह सप्लाई अभी भी बाधित है और कोयला मंगाने के लिए बंदरगाहों पर लंबी वेटिंग चल रही है। ऐसे में चांगचुन, झेझियांग जैसे कई इलाकों में सरकार ने बिजली काटने की घोषणा कर दी है। चीन में बिजली संकट इतना गहरा हो गया है कि इसका असर अलगे साल तक रहने की आशंका है।

चीन की परेशानी नहीं हो रही कम

ये सबकुछ ऐसे समय में हो रहा है जब वैश्विक वित्तीय बाजार पहले से ही चीन की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रांड समूह के धराशायी होने से चिंतित हैं। इस रियल एस्टेट कंपनी पर अरबों डॉलर का बोझ है।

अमेरिका की शीर्ष राजनयिक छह और सात अक्टूबर को भारत यात्रा पर जाएंगी

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच यहां सफल द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के बाद शीर्ष अमेरिकी राजनयिक द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने भारतीय समकक्ष से बातचीत के लिए अगले महीने भारत यात्रा पर जाएंगी। अमेरिका के विदेश विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। विदेश विभाग ने बताया कि उप विदेश मंत्री वेंडी आर शरमन छह अक्टूबर को नयी दिल्ली और अगले दिन मुंबई की यात्रा करेंगी। विदेश विभाग के अनुसार, ''शरमन छह अक्टूबर को नयी दिल्ली में कई दौर की द्विपक्षीय बैठकों, सामाजिक संस्था के कार्यक्रमों और इंडिया आइडियाज शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी।

वह सात अक्टूबर को व्यापार और सामाजिक संस्था के साथ अपने कार्यक्रमों के सिलसिले में मुंबई की यात्रा करेंगी।'' विभाग ने बताया कि मुंबई के बाद शरमन पाकिस्तान में वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए इस्लामाबाद जाएंगी। दिल्ली पहुंचने से पहले शरमन 29 सितंबर से स्विट्जरलैंड और उज्बेकिस्तान का भी दौरा करेंगी। भारत और अमेरिका नवंबर में बाइडन प्रशासन के तहत अपना पहला टू-प्लस-टू शिखर सम्मेलन आयोजित करने वाले हैं।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका पर दबाव बना रहा उत्तर कोरिया, किया मिसाइल परीक्षण

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने मंगलवार तड़के छोटी दूरी की मिसाइल का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक में, दक्षिण कोरियाई सरकार ने उत्तर कोरिया द्वारा ''छोटी दूरी की मिसाइल का परीक्षण'' किए जाने पर आक्रोश व्यक्त किया। इससे पहले, दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा था कि उत्तर कोरिया के उत्तरी जगंग प्रांत से दागी गई एक वस्तु पूर्वी समुद्र की ओर गई। अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान ने एक बयान में कहा कि परीक्षण अमेरिकी कर्मियों, क्षेत्र या हमारे सहयोगियों के लिए तत्काल खतरा पैदा नहीं करता है, लेकिन यह मिसाइल परीक्षण '' (उत्तर कोरिया के) अवैध हथियार कार्यक्रम के अस्थिरकारी प्रभाव को उजागर करता है।'' दक्षिण कोरिया और जापान की रक्षा के लिए अमेरिकी प्रतिबद्धता कायम रहेगी।

दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी अधिकारी परीक्षण के विवरण का विश्लेषण कर रहे हैं। जापान के प्रधनमंत्री योशिहिदे सुगा ने कहा कि उत्तर कोरिया ने जिसका प्रक्षेपण किया वह ''एक बैलिस्टिक मिसाइल हो सकती है'' और उनकी सरकार ने सतर्कता एवं निगरानी कड़ी कर दी है। किसी प्रकार का बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण, उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक गतिविधियों पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध का उल्लंघन होगा, लेकिन परिषद आमतौर पर कम दूरी के प्रक्षेपास्त्रों के परीक्षण को लेकर उत्तर कोरिया पर नए प्रतिबंध नई लगाती है। उत्तर कोरिया ने करीब छह महीने बाद इस महीने की शुरुआत में बैलिस्टिक तथा क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया था और उसने दक्षिण कोरिया तथा जापान में अपने लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता प्रदर्शित की थी। दोनों ही देश अमेरिका के सहयोगी हैं और वहां 80,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने पिछले सप्ताह कहा था कि दक्षिण कोरिया अगर शत्रुतापूर्ण नीतियां छोड़ देता है तो उनका देश उससे फिर बातचीत शुरू करने को तैयार है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया चाहता है कि दक्षिण कोरिया उसे अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रतिबंधों से राहत दिलाने के लिए काम करे।

जापान के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों ने मतदान से पहले अंतिम समय में की अपील

टोयो (एजेंसी)।

जापान के अगले प्रधानमंत्री बनने के लिए मैदान में चार उम्मीदवारों ने मंगलवार को अंतिम समय में अपील की, जिसमें टीकाकरण मंत्री तारो कोनो और पूर्व विदेश मंत्री फुमियो किशिदा के बुधवार को चुनाव जीतने की अधिक संभावना है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के नेता चुनाव का परिणाम बुधवार दोपहर को आने की उम्मीद है, विजेता उम्मीदवार प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा की जगह लेंगे, जिन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान एक पस्त अर्थव्यवस्था के बीच एलडीपी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। बुधवार के चुनाव में विजेता इस गिरावट के निचले सदन चुनाव में एलडीपी का सार्वजनिक चेहरा होगा। पूर्व संचार मंत्री साने ताकाची और पूर्व लैंगिक समानता मंत्री सेइको नोडा चुनाव की महिला दावेदार हैं। टोक्यो और अन्य क्षेत्रों में एक कोविड -19 आपातकाल की स्थिति के कारण, दोनों ने प्रचार के दौरान समर्थन हासिल करने के लिए ज्यादातर वर्चुअल बैठकें की हैं। कोनो, सुधार नीतियों वाले नेता, अपेक्षाकृत युवा एलडीपी सांसदों और रैंक-एंड-फाइल पार्टी के सदस्यों से समर्थन प्राप्त करने वाले प्रमुख उम्मीदवारों में से एक हैं, क्योंकि वह जनता के बीच लोकप्रिय हैं। उन्होंने जापान में पेंशन प्रणाली में सुधार और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने का वादा किया। एलडीपी के उदारवादी गुट के प्रमुख किशिदा को कई दिग्गज सांसदों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन कुछ लोग उन्हें व्यापक सार्वजनिक अपील की कमी के रूप में देखते हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का वचन दिया कि पूंजीवाद का एक नया रूप के अपने विचार के तहत आम लोग विकास के लाभों का आनंद ले सकें। पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे से समर्थन प्राप्त करने वाले ताकाइची को एलडीपी के भीतर उग्र राष्ट्रवादियों से वोट मिलने की उम्मीद है। उन्होंने संकट प्रबंधन और विकास क्षेत्रों में साहसिक मौद्रिक सहजता और निवेश पर ध्यान केंद्रित किया।

ब्रिटेन में भारी तेल संकट! पेट्रोल पंपों के बाहर लोगों की लंबी कतारें; सरकार ने उठाया बड़ा कदम

ब्रिटेन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में ईंधन संकट हर दिन बढ़ता जा रहा है जिसके कारण अब देश के कई पेट्रोल पंप तक खाली हो चुके है। इससे अब ब्रिटिश सरकार की मुसीबतें भी बढ़ती जा रही है। इस मुशिकल घड़ी से निकले के लिए अब ब्रिटिश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। पेट्रोल स्टेशनों पर पेट्रोल की डिलीवरी कम की जाए इसकी मंजूरी के लिए सरकार ने प्रतिस्पर्धा कानून को सस्पेंड कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस कानून के सस्पेंड होने से कंपनियों के लिए सूचना जारी करना और शेयर करने में आसानी होगी। साथ ही देश के सबसे जरूरत वाले हिस्सों को प्राथमिकता देने में आसानी होगी।

पेट्रोल पंप पर लोगों की भीड़

ब्रिटेन में पेट्रोल की सप्लाई में कमी से लोगों में डर बैठ गया है जिसके बाद

घबराकर भारी मात्रा में लोग पेट्रोल खरीद रहे है। बता दें कि देश के कई पेट्रोल पंप पर लोगों की लंबी कतारें लग रही है। हालात इतने खराब हो रहे है कि ब्रिटेन के मंत्रियों ने पेट्रोल की डिलीवरी के लिए सेना की तैनाती करने पर विचार किया है। इसी बीच अब पेट्रोल रिटेलर्स एसोसिएशन ने चेतावनी देते हुए कहा कि, लगभग 5500 आउटलेट्स सदस्यों में से दो तिहाई सदस्यों के पास पेट्रोल खत्म ही हो गया है। बता दें कि जल्द ही बाकी आउटलेट्स के पेट्रोल पंप से भी जल्द ईंधन खत्म होने की आंशका है।

ब्रिटेन में आखिर क्यों हो रही पेट्रोल की किल्लत

ब्रिटेन में कुल 8000 पेट्रोल स्टेशन है। ट्रक ड्राइवरों की कमी ही देश में पेट्रोल की किल्लत की बड़ी वजह है। देश में ट्रक ड्राइवर नहीं होने की वजह से सप्लाई चेन पर काफी बुरा असर पड़ा है। बता दें कि देश में फ्यूल स्टेशनों तक तेल नहीं पहुंच पा रहा है जिसके कारण फ्यूल स्टेशनों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। पेट्रोल के लिए लोगों के बीच लड़ाइयां भी हो रही है। सरकार ने इन सबके बीच सफाई देते हुए कहा है कि, देश में ट्रक ड्राइवर को जल्द ही अस्थाई वीजा जारी किया जाएगा। इससे ड्राइवरों की बढ़ोतरी होगी। ब्रिटेन की सरकार 5हजार विदेशी ट्रक ड्राइवरों को अस्थाई वीजा जारी करेगी। सरकार ने देश में आए पेट्रोल संकट को लेकर ब्रेक्जिट को जिम्मेदार ठहराया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मेक्सिको के राष्ट्रपति से मुलाकात की, व्यापार और निवेश पर है फोकस

मैक्सिको सिटी। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को मैक्सिको के राष्ट्रपति मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से मुलाकात की। वह लातिन अमेरिका देश की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं जिसका मकसद व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना है। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'दो महाद्वीप। दो सभ्यताएं। साझा चिंताएं। मैक्सिको शहर में 'रिटर्न्ड हेरिटेज' पर एक कार्यक्रम में भाग लिया। वहां राष्ट्रपति लोपेज़ ओब्रेडोर से मिलकर खुशी हुई।' जयशंकर ने ट्विटर पर राष्ट्रपति के साथ अपने फोटो भी साझा किए। कार्यक्रम में, जयशंकर ने प्रथम महिला बीट्रिज़ गुतिरेज़ मुल्लेर, विदेश मंत्री मार्सेलो एब्रार्ड और रक्षा मंत्री लुइस क्रेसेंसियो सैंडोवल के साथ अपने फोटो भी साझा किए हैं। विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की उत्तरी अमेरिकी देश की यह पहली यात्रा है। मैक्सिकों के वित्त एवं सार्वजनिक ऋण मंत्री रोगेलियो रामिरेज़ डी ला ओ ने उनका स्वागत किया, जिनके साथ उन्होंने कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के मैक्सिको के प्रयासों पर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'मेरा स्वागत करने के लिए वित्त एवं सार्वजनिक ऋण मंत्री रोगेलियो रामिरेज़ डी ला ओ का धन्यवाद। कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के मैक्सिको के प्रयासों पर उनके साथ चर्चा की।' मंत्री ने ट्वीट किया, '41 साल बाद कोई भारतीय विदेश मंत्री यहां आया है।'' संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र के समापन के बाद जयशंकर मैक्सिको के विदेश मंत्री मार्सेलो एब्रार्ड के आमंत्रण पर अमेरिका से सीधे यहां पहुंचे हैं। जयशंकर विश्व के अन्य नेताओं के साथ मैक्सिको की स्वतंत्रता के सुदृढीकरण की 200 वीं वर्षगांठ पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, फिलहाल, मैक्सिको लातिन अमेरिका में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और 2021-22 के लिए भारत के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का अस्थायी सदस्य है।

रूस के भारत को लेकर दावे से बढ़ने वाली है चीन और पाकिस्तान की चिंता, दुनिया में मच जाएगा तहलका

हैमिल्टन। (एजेंसी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऐलान किया कि एस-500 मिसाइल सिस्टम के सभी टेस्ट पूरे हो चुके हैं जिसके बाद अब दुनिया के सबसे एडवांस माने जाने वाले इस सिस्टम को जल्द ही रूसी सेना में तैनात किया जाएगा। लेकिन अब इस बेहद ही खतरनाक अत्याधुनिक मिसाइल सिस्टम को लेकर रूस की तरफ से ऐसा दावा किया गया है जिससे चीन और पाकिस्तान में खलबली मच सकती है। रूस की ओर से कहा गया है कि भारत बेहद शक्तिशाली मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने वाला पहला देश बन सकता है। भारत के पास अगर यह मिसाइल डिफेंस सिस्टम आता है तो दुश्मन के किसी भी हवाई हमले को पल भर में भारत में घुसने से पहले ही तबाह किया जा सकता है।

अंतरिक्ष में मौजूद किसी भी लक्ष्य को नष्ट करने में सक्षम

एस-500 कितना शक्तिशाली है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसमें लगी मिसाइलें अंतरिक्ष में मौजूद किसी भी लक्ष्य को पलक झपकते ही नष्ट करने में सक्षम है। रूसी उप प्रधानमंत्री यूरी बोरिसोव ने इंटरफैक्स समाचार एजेंसी को बताया कि वह भारत को एस-500 प्रणाली के लिए पहला संभावित खरीदार मानते हैं। बोरिसोव को इंटरफैक्स को कहा कि संभावित रूप से, हाँ (भारत स-500 खरीद रहा है)। इसके साथ ही उन्होंने भारत को रूसी हथियारों का सबसे बड़ा खरीदार बताते हुए कहा कि कितनी दफा जो हम भारत को बेचते हैं वो अन्य देशों को नहीं देते।

एस-400 नवंबर की नवंबर में होगी डिलीवरी

बता दें कि भारत की रूस के साथ पहले ही एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम सिस्टम को खरीदने की डील हो चुकी है। रूसी अधिकारियों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा है कि एस-400 मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी इस साल नवंबर से करना शुरू हो जाएगी। रूस से इस हथियार की खरीद को लेकर अमेरिका पहले से ही भारत पर काट्सा कानून के जरिए प्रतिबंध लगाने की धमकी देता रहा है। चीन के साथ लद्दाख में जारी तनाव के दौरान भारत ने रूस से इस डील को जल्द से जल्द पूरा करने को कहा था। इस मिसाइल सिस्टम की डिलिवरी से भारतीय वायु सेना की सर्विलांस और हमलावर ताकत में भी जोरदार इजाफा होने की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पर्यटन दिवस पर यूपी के सियासी पर्यटन पर निकली हैं प्रियंका : सिद्धार्थ नाथ सिंह

लखनऊ। पर्यटन दिवस के दिन प्रियंका गांधी एक बार फिर यूपी के पर्यटन पर निकल चुकी हैं। जल, थल और वायु यात्रा कर चुकीं प्रियंका और कांग्रेस को न प्रदेश की थाह मिल पा रही है और न चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी। भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की पर्याय कांग्रेस को यूपी में ठिकाना नहीं मिल पा रहा है। यह बात प्रदेश सरकार के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री और सिद्धार्थ नाथ सिंह ने मंगलवार को कही। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा के यूपी दौरे पर चुटकी लेते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पर्यटन दिवस पर कांग्रेस के सियासी पर्यटक भी यूपी पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में तुष्टिकरण और जाति धर्म की सियासत की बयार चलना बंद हो चुकी है। मस्जिदों के अंदर मेनिफेस्टो बांटने वालों को यह समझना होगा कि यह प्रदेश किसी एक जाति या धर्म के आधार पर नहीं चलेगा। जनता कांग्रेस की यह तुष्टिकरण वाली राजनीति देख रही है। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि यूपी बदल चुका है। अब यहां शिक्षा, रोजगार, विकास, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की चर्चा होती है। चुनावी स्वार्थ के लिए सियासत को सांप्रदायिक रंग दे कर अपने चेहरे की रंगत चमकने की प्रियंका गांधी की कोशिशें कभी कामयाब नही हो सकतीं हैं।

यूपी कांग्रेस के मस्जिदों के बाहर घोषणापत्र बांटने पर भाजपा ने की खिंचाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने राज्य विधानसभा चुनाव से पहले मुसलमानों तक पहुंचने की कोशिश में वोटों के ध्रुवीकरण का मार्ग प्रशस्त करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस राज्य में सत्ता में आने पर समुदाय को वादे के साथ 16-सूत्रीय संकल्प पत्र (घोषणापत्र) वितरित कर रही है। हालाँकि, राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मस्जिदों के बाहर संकल्प पत्र वितरित करने के कांग्रेस के इस कदम पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसने पार्टी पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। जुमे की नमाज के दौरान 8,432 मस्जिदों के बाहर जाकर समुदाय को खुश करने के लिए कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए, भाजपा प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह ने कहा, राम मंदिर के विरोध से लेकर आतंकवादियों के लिए आंसू बहाने तक, कांग्रेस हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति करती रही है। अब कांग्रेस यूपी में मस्जिदों के बाहर अपना संकल्प पत्र बांटने के मिशन पर निकल पड़ी है। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास ने उत्तर प्रदेश में खोई जमीन वापस पाने के लिए कांग्रेस की हताशा को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा, लेकिन पार्टी इस तरह के हथकंडों से और डूबेगी।

कांग्रेस छोड़ने के 1 दिन बाद बंगाल के लिए रवाना हुए फलेरियो

पणजी। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री लुइजिन्हो फलेरियो, जिन्होंने सोमवार को कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी, वह अब कोलकाता के लिए रवाना हुए हैं। उनकी कोलकाता यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब उनके तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। दाबोलिम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए, फलेरियो ने टीएमसी में शामिल होने या 2022 की शुरुआत में गोवा में पश्चिम बंगाल स्थित पार्टी के संचालन का नेतृत्व करने के बारे में कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया। हालांकि संकेत यही मिल रहे हैं कि वह टीएमसी नेतृत्व से बातचीत के लिए ही बंगाल की यात्रा कर रहे हैं। फलेरियो ने संवाददाताओं से कहा, मैंने फैसला नहीं किया है (पार्टी की गोवा शाखा का नेतृत्व करने के बारे में)। मैंने कल ही इस्तीफा दे दिया है। मैं भाजपा के खिलाफ अपनी लड़ाई पर काम कर रहा हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह कोलकाता में टीएमसी में शामिल होने वाले हैं, फलेरियो ने कहा, मैं इसके बारे में आपको बता दूंगा। फलेरियो ने सोमवार को कांग्रेस विधायक और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, जबकि ममता बनर्जी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा था कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) में गोवा और देश भर में भाजपा को टक्कर देने की क्षमता है।

29 सितंबर से पंजाब के दो दिवसीय दौरे पर केजरीवाल

नई दिल्ली। अगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की हलचल लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल 2022 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच बुधवार को पंजाब का दौरा करेंगे। पार्टी ने एक बयान में कहा कि उनकी दो दिवसीय यात्रा लुधियाना से शुरू होगी, जहां वह व्यापारियों से मुलाकात करेंगे। वह 30 सितंबर को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। कांग्रेस शासित राज्य में वोट पाने के लिए पार्टी दिल्ली में मुफ्त बिजली के मॉडल पर भरोसा कर रही है। पंजाब को इसी महीने नया मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी मिला है। अगले साल फरवरी/मार्च में चुनाव होंगे। इससे पहले राज्य का नेतृत्व कैप्टन अमरिंदर सिंह करते थे, जिन्होंने 2002 से 2007 और 2017 से सितंबर 2021 तक सीएम के रूप में साढ़े नौ साल पूरे करने के बाद हाल ही में इस्तीफा दे दिया था। पंजाब में कुल 117 निर्वाचन क्षेत्र हैं।

उत्तर प्रदेश में बसपा से पलायन का सिलसिला जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को पार्टी से अभूतपूर्व पलायन का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल सात विधायकों के विद्रोह के बाद, बसपा से नेताओं के निकलने का सिलसिला और भी बढ़ गया है। पार्टी के कई नेता अभी भी समाजवादी पार्टी (सपा) के संपर्क में हैं, जो कि बसपा के लिए चिंताजनक है। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आर. एस. कुशवाहा ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में मुलाकात की। हालांकि इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट करार दिया गया था, लेकिन कहा जा रहा है कि कुशवाहा अब किसी भी दिन सपा में शामिल हो सकते हैं। बसपा के एक नेता ने कहा, किसी भी हाल में अगर वह सपा में शामिल नहीं भी होते हैं तो भी इस बैठक के बाद उन्हें बसपा से निकाल दिया जाएगा।

कांग्रेस के हुए कन्हैया और जिग्नेश, वेणुगोपाल ने युवा नेता को बताया अभिव्यक्ति की आजादी का प्रतीक

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र संघ नेता कन्हैया कुमार और गुजरात के निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी मंगलवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, रणदीप सिंह सुरजेवाला, हार्दिक पटेल समेत कई नेता मौजूद रहे।

दोनों युवा नेता कांग्रेस में शामिल होने से पहले राहुल गांधी के साथ शहीद भगत सिंह पार्क पहुंचे। जहां पर उन्होंने भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि इन्होंने (कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवाणी) लगातार मोदी सरकार और हिटलरशाही की नीति के खिलाफ संघर्ष किया। हमारे इन साथियों को लगा कि ये आवाज़ और बुलंद हो पाएगी जब ये कांग्रेस और राहुल गांधी की आवाज़ में मिलकर एक और एक ग्यारह की आवाज़ बन जाएगी। वहीं वेणुगोपाल ने कन्हैया कुमार को अभिव्यक्ति की आजादी का प्रतीक बताया है।

युवाओं की टीम तैयार कर रहे राहुल

प्राप्त जानकारी के मुताबिक राहुल गांधी एक बार फिर से युवाओं की टीम तैयार कर रहे हैं। ऐसे में कई राज्यों में युवा नेताओं के साथ पार्टी नेता संपर्क में हैं और उन्हें जल्द ही लाने के बारे में विचार किया जा रहा है। इसी के चलते कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवानी को भी पार्टी में लाया गया है। माना जा रहा है कि कांग्रेस बिहार में कन्हैया कुमार को लेकर बड़ा दांव खेल सकती है।

सिद्धू का प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा चौंकाने वाला : कांग्रेस

नई दिल्ली। नवजोत सिंह सिद्धू के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कहा कि उन्होंने आलाकमान को ये पहले ही कहा था। पंजाब जैसे बॉर्डर के राज्य के लिये सिद्धू उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं। वहीं आईएएनएस से बातचीत में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन बंसल ने कहा, ये सिद्धू का निजी का फैसला है। उन्होंने क्या किया, इस पर कोई और क्या कह सकता है! आलाकमान ने उनपर भरोसा कर के ही ये पद उन्हें सौंपा था। बिहार कांग्रेस के प्रभारी भक्तचरण दास ने कहा, ये पंजाब कांग्रेस की राजनीति के लिए अच्छी बात नहीं है। ये सिद्धू की महत्वकांक्षी प्रतिक्रिया का ही नतीजा है। सिद्धू पहले भी अपनी बयानबाजी से कांग्रेस पार्टी के नेताओं का दिल दुखाते रहे हैं, हालांकि उनका इस्तीफा कांग्रेस पार्टी के लिये अच्छी बात नहीं है। पार्टी को अब पंजाब में नए सिरे से मेहनत करनी होगी। गौरतलब है कि नवजोत सिंह सिद्धू ने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। 72 दिन के भीतर उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। जोकि कांग्रेस पार्टी में बेहद चौंकाने वाला है। सिद्धू ने मंगलवार को सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दिया है। सिद्धू ने ट्वीट कर के ये जानकारी दी। हालांकि सिद्धू ने ये भी स्पष्ट लिखा है कि वह कांग्रेस पार्टी में बने रहेंगे। गौरतलब है कि पंजाब कांग्रेस में पिछले कुछ महीनों से कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था। उन दिनों लगातार मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की निंदा नवजोत सिंह सिद्धू खुलेआम करते रहे। अपने इसी अंदाज में सिद्धू ने कैप्टन की निंदा करते हुए एक दिन उनके मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

चर्चा में चंद्रशेखर राव का दिल्ली दौरा, अमित शाह के साथ हो चुकी है की दौर की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव इन दिनों दिल्ली में हैं। पिछले 2 दिनों से गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनकी एक के बाद एक बैठक हुई है जिसके बाद चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। गृहमंत्री अमित शाह के अलावा के चंद्रशेखर राव की मुलाकात केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से भी हुई है। भाजपा नेताओं के साथ चंद्रशेखर की इस बैठक को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलबाजी खूब हो रही है। शुक्रवार शाम दिल्ली पहुंचे केसीआर को नक्सल प्रभावित राज्यों के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद रविवार को ही हैदराबाद लौटना था।

रविवार को केसीआर हैदराबाद नहीं लौटे और अपने दौरे को एक और दिन के लिए बढ़ा दिया। माना जा रहा है कि मंगलवार को वह हैदराबाद लौट सकते हैं। इससे पहले सितंबर के पहले सप्ताह में केसीआर ने दिल्ली में 9 दिन बिताए थे। तब उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से हुई थी। 2014 में सत्ता में आने के बाद यह पहली बार था जब मुख्यमंत्री दिल्ली में इतने समय तक रहे। यही कारण है कि उनका एक के बाद एक दिल्ली प्रवास काफी चर्चा में है।

बताया जा रहा है कि रविवार शाम जब नक्सल प्रभाव के मुद्दे पर गृह मंत्रालय की बैठक खत्म हुई तो उसके बाद केसीआर रविवार रात अमित शाह के

आवास पर गए थे और वहां दोनों नेताओं के बीच 90 मिनट तक बातचीत हुई थी। सूत्रों से पता चल रहा है कि दोनों नेताओं के बीच उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के अलावा कुछ और राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा हुई थी। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि दोनों नेताओं के बीच सोमवार को भी एक दौर की बातचीत हुई है। लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब कांग्रेस केसीआर पर यह आरोप लगातार लगा रही है कि राज्यसभा में टीआरएस महत्वपूर्ण विधेयकों पर केंद्र में भाजपा के साथ समन्वय कर आगे बढ़ रही है।

तपोवन में पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन नवंबर माह में,देश के विभिन्न राज्यों से करीब दो सौ प्रतिनिधि लेंगे भाग

धर्मशाला (एजेंसी)।

देशभर के पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन धर्मशाला के तपोवन विधानसभा परिसर में नवंबर माह में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने विधानसभा परिसर के सभागार में पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर की विधानसभाओं, विधान परिषदों के करीब दो सौ प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारियों की पहला सम्मेलन भी हिमाचल प्रदेश में 1921 में शिमला में आयोजित किया गया था तथा अब शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य पर भी हिमाचल के धर्मशाला के तपोवन में पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। इससे पहले पीठासीन अधिकारियों के छह सम्मेलन हिमाचल में आयोजित किए जा चुके हैं जबकि धर्मशाला के तपोवन विधानसभा परिसर में पीठासीन अधिकारियों का यह पहला सम्मेलन होगा।

उन्होंने कहा कि लोकसभा तथा विधानसभा के संयुक्त तत्वाधान में यह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा इस सम्मेलन की अध्यक्षता लोकसभा के स्पीकर करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा स्पीकर के माध्यम से उपराष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री को भी इस सम्मेलन के लिए आमंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को अपने अपने विभागों के संबंधित कार्यों को निर्धारित समय पर पूरा करना होगा इसके साथ ही सम्मेलन के दौरान सुरक्षा इत्यादि की व्यवस्था को भी चाक चौबंद करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान सम्मेलन में आने वाले सभी प्रतिनिधियों को हिमाचल की सांस्कृतिक झलक भी लोक नृत्य तथा लोक संगीत के माध्यम से दिखाई जाएगी तथा सांस्कृतिक संध्या भी आयोजित की जाएगी।

राकेश टिकैत बोले- अगला टारगेट मीडिया हाउस, 7 दिनों में 7 आतंकवादी ढेर, 1 पकड़ा गया : सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संगठनों का प्रदर्शन लगातार जारी है। पिछले 11 महीनों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के कुछ किसान संगठन दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डर पर लगातार बैठे हुए हैं। सोमवार को ही संयुक्त किसान मोर्चा का भारत बंद था। इसका प्रभाव कुछ इलाकों में देखने को भी मिला। इन सबके बीच आज किसान नेता राकेश टिकैत ने मीडिया हाउस को चेताया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सब लोग साथ दो। अगला टारगेट मीडिया हाउस है। आपको बचना है तो साथ दे दो नहीं तो आप भी गए।

कहीं ना कहीं राकेश टिकैत का यह बयान मीडिया हाउस के लिए किसी धमकी से कम नहीं है। राकेश टिकैत लगातार किसान आंदोलन को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मीडिया से बातचीत में टिकैत ने यह भी कहा कि भाजपा को बेचने की बीमारी है। कानून बनाकर आधा देश बेच दिया। इससे पहले टिकैत ने कहा था कि तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ जारी आंदोलन का अंत अदालत के हस्तक्षेप से नहीं बल्कि सरकार के साथ आपसी समझ से ही होगा। टिकैत ने युवाओं से अपने घरों से बाहर निकलने और क्रांति में शामिल होने की अपील की।

टिकैत ने काह कि मुझे लगता है कि सरकार कानूनों और नीतियों में निरर्थक संशोधन कर रही है। सरकार देश के मूल्यवान संसाधनों को बेचना चाहती है, वे जमीन बेचना चाहते हैं। उन्होंने युवाओं से आंदोलन में शामिल होने की अपील करते हुए कहा, मुझे लगता है कि इससे आंदोलन को काफी मजबूती मिलेगी। टिकैत ने आरोप लगाया कि अगर सरकार संसाधनों को खत्म करना जारी रखती है, तो एक दिन भारत मजदूर कॉलोनी के रूप में जाना जाएगा और देश में केवल श्रमिक वर्ग रह जाएगा। भारतीय छात्र संसद सम्मेलन का आयोजन एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट द्वारा किया गया था।

श्रीनगर (एजेंसी)।

सेना ने मंगलवार को कहा कि उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पिछले सात दिनों के दौरान सात आतंकवादी मारे गए और एक को जिंदा पकड़ा गया है।

मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए, 19 इन्फैंट्री डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल वीरेंद्र वत्स ने कहा कि एक 19 वर्षीय आतंकवादी को भारतीय सेना के लोकाचार और मूल्य प्रणाली को ध्यान में रखते हुए पकड़ा गया कि हम किसी भी निहत्थे के खिलाफ बल का प्रयोग नहीं करते हैं। जीओसी ने खुलासा किया कि एलओसी के पास आतंकवादी लॉन्च पैड पर बहुत अधिक हलचल है और इस्लामाबाद की ओर से अशांति पैदा करने और कश्मीर में किसी तरह की हड़ताल करने के लिए आतंकवादियोंको भेजने के लिए हताशा थी।

यह ऑपरेशन 18 सितंबर की रात को शुरू हुआ, जब एलओसी पर हमारे गश्ती दल ने घुसपैठ की गतिविधि का पता लगाया।इसके परिणामस्वरूप एक गोलाबारी हुई। जब सभी तथ्यों की जांच की गई, तो हमें पता चला कि 6 आतंकी थे। ये चारों, जो पाकिस्तानी पक्ष में थे, घने पत्ते और अंधेरे का लाभ उठाकर पाकिस्तानी की ओर चले गए। एक बार जब हमें पता चला कि दो घुस गए हैं, तो अतिरिक्त बल जुटाए गए। चूंकि इस क्षेत्र में एक बड़ी नागरिक आबादी है, हमें किसी भी भगदड़ से बचने के लिए संयम बरतना पड़ा। यह सब 18 सितंबर की रात को हुआ। एक बार जब घेरा बढ़ा दिया गया, तो इन आतंकवादियों ने कई मौकों पर बाहर निकलने की कोशिश की।

आखिरकार, हमारे सैनिकों ने 25 सितंबर की शाम को एक नाले में छिपे आतंकी को पकड़ लिया गया। इसके बाद, एक मुठभेड़ हुई और 26 सितंबर की सुबह एक आतंकवादी को मार गिराया गया। उसके साथी ने उसकी जान बख्शने की गुहार लगाई। जैसा कि भारतीय सेना की लोकाचार और मूल्य प्रणाली है। हम किसी भी निहत्थे व्यक्ति के खिलाफ बल का प्रयोग नहीं करते हैं, इसलिए सावधानी बरती गई और उसे पकड़ लिया। उसने अपनी पहचान पंजाब पाकिस्तान निवासी दिवंगत मोहम्मद लतीफ के बेटे अली बाबा बत्रा (19) के रूप में की। उसने स्वीकार किया है कि वह लश्कर का सदस्य है और उसे संगठन द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। उसने खुलासा किया कि वह 2019 में खैबर शिविर मुजफ्फराबाद में 3 सप्ताह की ट्रेनिंग के लिए गया था। प्रशिक्षण के बाद उन्हें घर भेज दिया गया और इस वर्ष महत्वपूर्ण कार्य के लिए वापस बुला लिया गया।

चुनाव बाद हिंसा : सीबीआई जांच के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जारी किया नोटिस

इंदौर। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा, जिसमें कोलकाता में चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान हत्या और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों की सीबीआई जांच का आदेश देने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने मामले में कोई और प्राथमिकी दर्ज नहीं करने के लिए सीबीआई को कोई निर्देश देने से इनकार कर दिया। पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद, जस्टिस विनीत सरन और अनिरुद्ध बोस की पीठ ने कहा, आपने नोटिस जारी करने के लिए मामला बनाया है। देखते हैं। हम उत्तरदाताओं के लिए काउंटर दाखिल करने के लिए थोड़ा समय देंगे। जैसा कि सिब्बल ने पीठ से सीबीआई को मामले में कोई और मामला दर्ज नहीं करने का निर्देश देने का आग्रह किया, पीठ ने जवाब दिया, यह केवल एक सप्ताह है, कुछ नहीं होगा। सीबीआई द्वारा मामलों में पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी करने के उनके अनुरोध पर, न्यायमूर्ति सरन ने कहा, आपने प्राकृतिक न्याय के बारे में तर्क दिया है, हमें दूसरे पक्ष को सुने बिना कोई आदेश पारित नहीं करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को निर्धारित की है। सुनवाई समाप्त होने के बाद, सिब्बल ने पीठ से एक टिप्पणी मांगी कि मामले की सीबीआई जांच शीर्ष अदालत में मामले के परिणाम के अधीन होगी। पीठ ने जवाब दिया, यह एक विशिष्ट आदेश पारित किए बिना भी समझा जाता है, हमें ऐसा कहने की आवश्यकता नहीं है।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने एनएचआरसी पैनल की सिफारिशों को स्वीकार करने के बाद चुनाव परिणामों के बाद राज्य में जघन्य अपराधों के सभी कथित मामलों की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। चुनाव के बाद की हिंसा से जुड़े अन्य आपराधिक मामलों के लिए उच्च न्यायालय ने एक विशेष जांच दल द्वारा अदालत की निगरानी में जांच का निर्देश दिया था। 20 सितंबर को, पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि राज्य में चौंकाने वाली चीजें हुई हैं और मामले, जिनमें डकैती भी शामिल है, को बड़े पैमाने पर सीबीआई को स्थानांतरित किया जा रहा है।

सिब्बल ने कहा, एक मामले में, आदमी

जीवित है, सीबीआई भी डकैती के मामलों की जांच कर रही है। हर तरह की चीजें हो रही हैं। राज्य सरकार की याचिका में तर्क दिया गया था कि एनएचआरसी समिति की रिपोर्ट बड़ी जल्दबाजी में तैयार की गई थी, एक पूर्व-कल्पित और प्रेरित उद्देश्य के साथ और सबसे महत्वपूर्ण, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों, आपराधिक न्यायशास्त्र के स्थापित सिद्धांतों की पूर्ण अवहेलना में। इसने आगे कहा कि सीबीआई और एसआईटी को मामलों को स्थानांतरित करने का निर्देश शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार नहीं था, क्योंकि इस तरह के स्थानांतरण दुर्लभ या असाधारण मामलों में ही किए जाने चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- स्वतंत्रता सेनानी पेंशन रोकना न्यायोचित नहीं, विधवा की याचिका पर सरकार तीन दिन में रखे पक्ष

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है, स्वतंत्रता सेनानी पेंशन रोकना न्यायोचित नहीं है। यह टिप्पणी 90 साल की महिला की याचिका पर की। यह महिला स्वतंत्रता सेनानी की विधवा है, उनके पति का 56 साल पहले निधन हो चुका है।

सेनानी की 90 साल की विधवा की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को तीन दिन में पक्ष रखने के निर्देश

बॉम्बे हाईकोर्ट ने स्वतंत्रता सेनानी की विधवा की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को तीन दिन में अपना पक्ष रखने के लिए कहा है। याचिकाकर्ता शालिनी चव्हाण ने स्वतंत्रता सैनिक सम्मान पेंशन योजना 1980 के तहत आवेदन किया है। उनके पति लक्ष्मण चव्हाण को 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में कारावास की सजा हुई थी।

17 अप्रैल 1944 से 11 अक्तूबर 1944 तक जेल में रहे। 12 मार्च 1965 को उनकी मृत्यु हुई। शालिनी के अनुसार, वे 1966 में जेलर से पति के कारावास का प्रमाणपत्र ले चुकी हैं। इसी आधार पर पेंशन का आवेदन किया है।

सरकार का कहना है, लक्ष्मण के जेल में रहने की पुष्टि करता दस्तावेज उसे नहीं मिला है। आशंका है कि ऐसा साक्ष्य अगर था, तो वह गुम या पुराना होने की वजह से खत्म हो गया। हाईकोर्ट ने कहा, साक्ष्यों से लक्ष्मण के स्वतंत्रता सेनानी और शालिनी के उनकी पत्नी होने में कोई विवाद नजर नहीं आता। अगर ऐसा है तो इतने समय तक पेंशन रोकना उचित नहीं है।

बेटे की भी मौत हो चुकी, दर-दर भटक रही विधवा

पति के अलावा शालिनी के बेटे की भी मौत हो चुकी है। 90 वर्ष की उम्र में उनके पास आजीविका का साधन नहीं है। उन्होंने 1993 व2002 में पेंशन के आवेदन किए थे। हाईपावर्ड कमेटी के उनका दावा मान लेने के बाद भी पेंशन शुरू नहीं हुई।

भगत सिंह की 114वीं जयंती पर पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक भगत सिंह की आज 114वीं जयंती मनाई जा रही है। देश की आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले महान क्रांतिकारी महज 23 वर्ष की उम्र में ही शहीद हो गए। उनकी जयंती पर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत सियासी दलों के नेता उन्हें नमन कर रहे हैं। भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 में लायलपुर (अब पाकिस्तान में है) स्थित बंगा गांव में हुआ था। भारत को आजादी दिलाने में भगत सिंह ने अहम योगदान निभाया और अंग्रजों से जमकर टक्कर ली। उनके इस जुनून को देखकर ब्रिटिश सम्राज्य भी हिल गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगत सिंह की जयंती पर ट्वीट किया, 'आजादी के महान सेनानी शहीद भगत सिंह को उनकी जन्म-जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि'। बीते दिनों पीएम मोदी ने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात'के दौरान शहीद वीर भगत सिंह की जयंती पर उन्हें श्रृद्धांजलि दी थी। पीएम मोदी ने शहीद भगत सिंह को बहादुरी और साहस का प्रतीक बताया

वहीं, गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, 'भगत सिंह जी को अपने प्राणों से ज्यादा देश की स्वतंत्रता और सम्मान प्यारा था। वो अल्पायु में ही अपने साहस व क्रांतिकारी विचारों से न सिर्फ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सर्वोच्च प्रतीक बने बल्कि उनके राष्ट्रप्रेम ने पूरे देश को एक

> "हम मरेंगे भी तो दुनिया में जिंदगी के लिए।
> सबको जीना सीखा जायेंगे मरते मरते...
> ये ना समझो भगत फाँसी पर लटकाया गया,
> सैंकड़ों भगत बन जायेंगे मरते मरते...
> शहीद ए आज़म भगत सिंह की जयंती पर
> उन्हें कोटि-कोटि नमन।"

किया।'

वहीं, दिल्ली के शिक्षामंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने भगत सिंह की जयंती पर उन्हें नमन किया। मनीष सिसोदिया ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया।

जलियावाला बाग में नरसंहार ने भगत सिंह का बदला मन-भगत सिह को देश भक्ति विरासत मे मिली थी, क्योंकि उनके दादा अर्जुन सिंह, उनके पिता किशन सिंह और चाचा अजीत सिंह गदर पार्टी के अभिन्न हिस्से थे। जब 13 अप्रैल 1919 को जलियावाला बाग में नरसंहार हुआ, तो इसे देखकर भगत सिंह काफी व्यथित हुए थे और इसी के कारण अपना कॉलेज छोड़ वो आजादी की लड़ाई में कूद पड़े थे।

भारत और पाकिस्तान जाएंगी वेंडी शरमन

नई दिल्ली। अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन अगले महीने भारत और पाकिस्तान के दौरे पर जा रही हैं. सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि अफगानिस्तान में तालिबान का सत्तारोहण इस यात्रा के केंद्र में होगा.अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन अगले महीने भारत और पाकिस्तान का दौरा करेंगी. अमेरिकी जासूसी एजेंसी सीआईए के प्रमुख बिल बर्न्स ने हाल ही में पाकिस्तान दौरा किया है जिसके बाद शरमन सबसे उच्च अमेरिकी अधिकारी होंगी जो भारत के पड़ोसी देश जा रही हैं. शरमन 7-8 अक्टूबर को पाकिस्तान में होंगी जहां वह वरिष्ठ नेताओं से मिलेंगी. उससे पहले 6-7 अक्टूबर को वह भारत में रहेंगी. अपने दौरे पर शरमन दिल्ली और मुंबई जाएंगी. अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक वह अमेरिका-भारत बिजनस काउंसिल की सालाना 'आइडियाज समिट' को संबोधित करेंगी. शरमन भारत के सामाजिक कार्यकर्ताओं से भी मिलेंगी. अगस्त में तालिबान ने अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था. पाकिस्तान को तालिबान का करीबी माना जाता है. उधर भारत, जो पश्चिम समर्थक लोकतांत्रिक अफगान सरकार की मदद कर रहा था, तालिबान को लेकर लगातार अपनी चिंताएं जताता रहा है. उसने अफगानिस्तान की स्थिति में पाकिस्तान की भूमिका पर नजर रखने की भी अपील की है. 1996 से 2001 तक जब तालिबान पिछली बार अफगानिस्तान पर काबिज था, तब भी पाकिस्तान ही उसका सबसे बड़ा समर्थक था. अमेरिका भी पाकिस्तान पर तालिबान की अंदरखाने मदद का आरोप लगाता रहा है. 'बलि का बकरा' पाकिस्तान का कहना है कि उस पर लगाए जा रहे इल्जाम अन्यायपूर्ण हैं।

जब तक असामान्य आरोप न हो, मजिस्ट्रेट को आरोपी को समन नहीं करना चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि किसी मजिस्ट्रेट को आरोपी को तब तक समन नहीं करना चाहिए जब तक कि कोई असामान्य आरोप न हो। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने एक हाईकोर्ट द्वारा आपराधिक मामले में जारी समन को रद्द करने के आदेश को चुनौती देने वाली शिकायतकर्ता की अपील को खारिज कर दिया। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ ने कहा कि मजिस्ट्रेट को आरोपी को अदालत में तलब करने के लिए प्रथमदृष्टया मामले में संतुष्ट होना चाहिए। पीठ ने कहा कि अदालत द्वारा समन या प्रक्रिया जारी करना एक बहुत ही गंभीर मामला है। इसलिए जब तक असामान्य आरोप न हो तब तक मजिस्ट्रेट को समन नहीं जारी करना चाहिए। पीठ ने यह टिप्पणी

यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने एक हाईकोर्ट द्वारा आपराधिक मामले में जारी समन को रद्द करने के आदेश को चुनौती देने वाली शिकायतकर्ता की अपील को खारिज कर दिया। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ ने कहा कि मजिस्ट्रेट को आरोपी को अदालत में तलब करने के लिए प्रथमदृष्टया मामले में संतुष्ट होना चाहिए। पीठ ने कहा कि अदालत द्वारा समन या प्रक्रिया जारी करना एक बहुत ही गंभीर मामला है।

उस अपील की सुनवाई करते हुए की जिसमें एक व्यक्ति ने एक कंपनी, इसके डायरेक्टर और अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ समन जारी कर दिया। बाद में सेशन कोर्ट ने आदेश को दरकिनार कर दिया और उसके फैसले को हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक किसी के खिलाफ असामान्य आरोप और दावे नहीं होते हैं तब तक किसी आरोपी को परोक्ष तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि मजिस्ट्रेट द्वारा आरोपी के खिलाफ समन जारी करने के आदेश से ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि विद्वान मजिस्ट्रेट ने प्रथमदृष्टया मामले को लेकर अपनी संतुष्टि की।

विदेश जाने वाले भारतीयों को झटका

डब्ल्यूएचओ से कोवैक्सीन को मान्यता मिलने में हो रही देरी

नई दिल्ली। भारत में कोविशील्ड के साथ कोवैक्सीन को पहली बार जनवरी में महामारी से लड़ने के लिए टीके के रूप में दिया जाने लगा था। लेकिन इधर, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में विकसित कोविड वैक्सीन कोवैक्सिन के लिए आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण (ईयूए) में और देरी कर दी है। इसके लिए WHO ने भारत बायोटेक को अधिक तकनीकी प्रश्न भेजे हैं। इस देरी से भारतीयों, विशेषकर छात्रों की अंतर्राष्ट्रीय यात्रा योजनाओं पर प्रभाव पड़ने की संभावना है।

बता दें कि EUA के बिना, Covaxin को दुनिया भर के अधिकांश देशों द्वारा स्वीकृत वैक्सीन नहीं माना जाएगा। भारत बायोटेक का दावा है कि उसने सभी जरूरी दस्तावेज भेज दिए हैं इसके बावजूद डब्ल्यूएचओ ने ये प्रश्न भेज हैं। पहले खबर आई थी की WHO जल्द इसे मंजूरी देगा लेकिन अब देरी के संकेत आ रहे हैं। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार ने पिछले शुक्रवार को कहा था, अप्रूवल के लिए दस्तावेज जमा करने की एक प्रक्रिया है। कोवैक्सिन को डब्ल्यूएचओ की ओर से आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण जल्द मिलने की उम्मीद है। इससे पहले वैक्सीन प्रशासन पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष डॉ वीके पॉल ने भी कहा था कि कोवैक्सिन के लिए डब्ल्यूएचओ की मंजूरी इस महीने के अंत से पहले आने की संभावना है। भारत बायोटेक के अनुसार, कोवैक्सिन के तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल ने 77.8 प्रतिशत की प्रभावकारिता दर का प्रदर्शन किया था। बता दें कि कोविड-19 के खिलाफ Covaxin, Covishield को इस साल जनवरी में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान में सबसे पहले शामिल कियाा गया। रूस निर्मित स्पुतनिक जैसे अन्य तो बाद में ही देश में आए।

दूसरी लहर का अंत या थर्ड वेव की आहट? 6 महीने में कोरोना के एक्टिव केस सबसे कम

नई दिल्ली। भारत में कम होते कोरोना वायरस के मामलों से कुछ राहत तो मिली है लेकिन कोरोना की तीसरी लहर का खतरा अभी टला नहीं है। छह महीने में पहली बार देश में कोविड के एक्टिव केस तीन लाख से नीचे आए हैं। 20 राज्य ऐसे हैं जहां 100 से ज्यादा केस दर्ज किए जा रहे हैं और 10 ऐसे जहां 100 से कम मामले सामने आ रहे हैं। यह जितनी खुश होने की बात है उतनी चिंता करने की भी है क्योंकि दूसरी लहर के आने से पहले भी फरवरी में मामलों का गणित ऐसा ही था। उस दौरान भी आधे से ज्यादा कोरोना मामले केरल और महाराष्ट्र से ही थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, रविवार को भारत में कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या 2,99,620 थी। डेटा से पता चलता है कि

यह 191 दिनों (छह महीने) में सक्रिय मामलों की सबसे कम संख्या है, यहां तक कि भारत में रविवार को कोरोना के नए 26,041 नए मामले भी दर्ज किए। रिपोर्ट किए गए कोरोना वायरस मामलों की कुल संख्या अब 3,36,78,786 है, जबकि कोरोना से हुई 276 ताजा मौतों के साथ मरने वालों की संख्या 4,47,194 हो गई है। केरल में बड़े पैमाने पर कोरोना में उछाल देखने के बाद अब एक सप्ताह से मामलों में गिरावट का यह लगातार चौथा सप्ताह था। मई में, महामारी की दूसरी लहर के चरम के दौरान, सक्रिय मामलों की संख्या यहां बढ़कर 37.45 लाख हो गई थी।

केरल में असामान्य रूप से अधिक संख्या में मामले दर्ज होने के बावजूद, सक्रिय मामलों में मई के बाद से लगातार गिरावट देखी जा रही थी। अब भी, देश में सभी सक्रिय मामलों में से करीब 55 प्रतिशत मामले केरल से आ रहे हैं। रविवार तक यहां 1.63 लाख एक्टिव केस थे।

दूसरी लहर के आने से ठीक पहले फरवरी में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। कम से कम 20 राज्य अब 100 से अधिक मामलों की रिपोर्ट कर रहे हैं और 10 अन्य 100 से नीचे हैं, फरवरी में भी आधे से अधिक केसलोएड केरल और महाराष्ट्र से थे।

वैज्ञानिकों ने बताया किस तरह खोले जाएं स्कूल

नई दिल्ली। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वैज्ञानिकों ने देशभर में चरणबद्ध तरीके से स्कूलों को खोलने की सिफारिश की है। आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव की निगरानी में हुए चिकित्सीय अध्ययन में वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला है कि प्राथमिक स्कूलों के बच्चों में कोरोना का खतरा कम है। इसलिए पहले प्राथमिक स्कूलों को शुरू करना चाहिए। इसके बाद माध्यमिक स्कूलों को खोलना चाहिए। अधिकांश राज्य अलग अलग दिशा निर्देशों के तहत स्कूलों को खोल रहे हैं। दिल्ली की बात करें तो यहां सबसे पहले माध्यमिक स्तर के स्कूलों को खोला गया है। जबकि प्राथमिक स्कूलों को बाद में शुरू करने का फैसला लिया गया। अध्ययन में कहा गया है, 12 साल या उससे अधिक आयु के बच्चों में संक्रमण का उच्च जोखिम है। चूंकि अभी इस आयुवर्ग के लिए वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, लेकिन स्कूलों को शुरू करना भी जरूरी है। ऐसे में सभी कोविड सतर्कता नियमों का पालन करने के साथ प्राथमिक स्कूलों को सबसे पहले खोलना चाहिए। माध्यमिक स्कूलों को कुछ समय बाद शुरू किया जा सकता है। आईसीएमआर के मुख्य संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. समीरन पांडा और डॉ. तनु आनंद भी अध्ययन में शामिल है।

उनका कहना है, कोविड-19 के दौरान लंबे समय तक स्कूल बंद रहने के कारण बच्चों के सर्वांगीण विकास पर असर पड़ा है।

इसलिए स्कूलों को खोलने की जरूरत है। शुरुआत प्राथमिक विद्यालयों से की जा सकती है। यह चिकित्सीय अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर) में प्रकाशित होगा।

केवल 24 फीसदी बच्चों ने रेगुलर लीं क्लास

वैज्ञानिकों ने बताया, बीते अगस्त माह में पता चला है कि शहरी क्षेत्रों में केवल 24 फीसदी बच्चों ने नियमित क्लास ली है। स्कूल बंद होने की वजह से बच्चों ने ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण की है। वहीं झुग्गी और ग्रामीण इलाकों में केवल आठ फीसदी बच्चे हर दिन क्लास लेते रहे। यह सर्वे 15 राज्यों में किया गया था जिसमें 1362 बच्चों से बातचीत की गई थी। वैज्ञानिकों ने हैरानी जताई कि इस सर्वे में शामिल 50 फीसदी से भी अधिक बच्चे फॉर्म में दिए कुछ ही शब्द पढ़ सके।

ब्रिटेन में स्कूल खूलते ही बढ़ने लगे थे केस

वैज्ञानिकों ने ब्रिटेन का उदाहरण देते हुए बताया, वहां माध्यमिक स्कूलों को सबसे पहले खोला गया जिसके बाद संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिली। स्कूलों से संक्रमित होकर बच्चे अपने परिवार में पहुंचे और वहां औरों को भी संक्रमित किया लेकिन आयरलैंड में ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला। इसी साल जून में जारी चौथे राष्ट्रीय सीरो सर्वे के अनुसार 6 वर्ष से अधिक आयु वालों में वयस्क की तरह संक्रमण का जोखिम है लेकिन इनसे कम आयु में यह जोखिम कम है।

जांच कम होते ही संक्रमण दर दो फीसदी पार

देश में रविवार को कोरोना जांच कम होते ही संक्रमण दर में उछाल दर्ज की गई। देशभर में 11.65 लाख सैंपल की जांच हुई, जिनमें 2.24 फीसदी सैंपल संक्रमित मिले। जबकि अन्य दिनों में जांच की संख्या 15 लाख से अधिक रही है व संक्रमण दर 1.90 फीसदी से कम दर्ज की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया, पिछले एक दिन में 26,041 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 276 मरीजों की मौत हुई है। इस दौरान 29,621 मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया। इसी के साथ ही देश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 3,36,78,786 पहुंच गई है। अब तक कुल 4,47,194 कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हो चुकी है। सक्रिय मामलों की संख्या 2,99,620 है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com